# उड़ान

अभ्यास मंडल का संकल्प-
इन्दौर की ऐतिहासिक धरोहर,
राजबाड़ा, गांधी हॉल, छत्री,
कान्ह/सरस्वती नदी,
पर्यावरण बचाऐं।

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

देश का स्वच्छता में नं. 1
हमारा इन्दौर

अभ्यास मंडल
इन्दौर

61 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला का उद्घाटन करते हुए
प्रमुख वक्ता श्री ब्रजेश राजपूत व सासंद श्री शंकर लालवानी

64 वें स्थापना दिवस पर दीप प्रज्जवलन - मुख्य अतिथि सांसद श्री शंकर लालवानी
व प्रमुख वक्ता श्री उपिंदर धर, कुलपति वैष्णव विद्यापीठ, इन्दौर

व्याख्यानमाला में उपस्थित श्रोतागण

व्याख्यानमाला में उपस्थित श्रोतागण

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव का अभिनंदन करते हुए अध्यक्ष श्री रामेश्वर गुप्ता,
सचिव श्री नेताजी मोहिते, उपाध्यक्ष श्री अशोक कोठारी व श्रीमती मालासिंह ठाकुर

अभ्यास मंडल द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव की पूर्व संध्या पर आयोजन
में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव व शहर के प्रबुद्धजन

इन्दौर शहर के विकास पर परिचर्चा में सम्बोधित करते हुए
मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

इन्दौर विकास के आयोजन में सम्बोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ

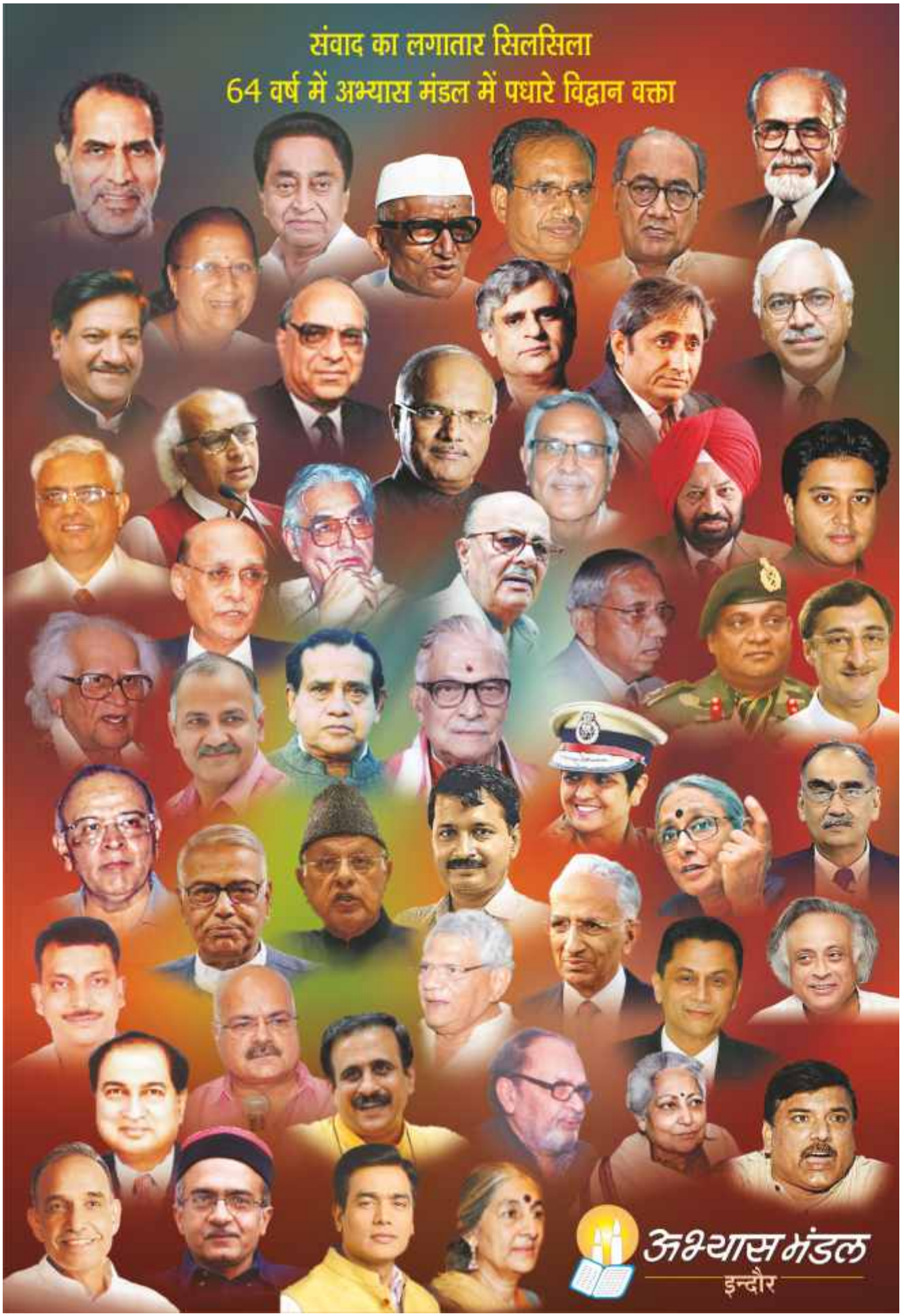
संवाद का लगातार सिलसिला
64 वर्ष में अभ्यास मंडल में पधारे विद्वान वक्ता
अभ्यास मंडल
इन्दौर

# अभ्यास मंडल के मार्ग दर्शक

सर्वश्री आनंद मोहन माथुर । मनोहर देव । अशोक चितळे । डॉ. भरत छपरवाल । मुकुंद कुलकर्णी । शरद बुलाख । आलोक खरे

सर्वश्री श्यामसुंदर यादव । डॉ. गौतम कोठारी । अरविन्द तिवारी । अजीतसिंह नारंग । अशोक बड़जात्या । अशोक जायसवाल । प्रवीण खारीवाल

## यातायात व रेल परिवहन जागरूकता अभियान

# सम्पादकीय

सुरेश उपाध्याय
*सम्पादक*

*सम्पादक मण्डल -*
* **नेताजी मोहिते**
* **हरेराम वाजपेयी**
* **प्रवीण जोशी**
* **शफी मोहम्मद शेख**
* **मनीषा गौर**
* **मालासिंह ठाकुर**
* **वैशाली खरे**

*प्रकाशक*
**रामेश्वर गुप्ता,** अध्यक्ष, अभ्यास मंडल
प्रकाशन दिनांक : बुधवार, 10 मार्च 2023

स्मारिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के हैं, विचारों से प्रकाशक की सहमति आवश्यक नहीं है। विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।

स्थापना : 1959
अभ्यास मंडल

शिव विलास पैलेस, नया राजबाड़ा,
इन्दौर - 452 007
दूरभाष : 0731- 4757507
मो.: 9425057333, 9406540702, 9893034044
ई-मेल : abhyas_mandal@yahoo.com
वेबसाइट : www.abhyasmandal.com

1959 में स्थापित अभ्यास मंडल की अनवरत सक्रियता का यह 64 वां वर्ष है। विकास व विचार की अभ्यास मंडल की गतिविधियों को एक विशाल वृक्ष की दो शाखाओं या कलकल बहती निर्झरणी की दो धाराओं की तरह देखा जा सकता है।

वैचारिक अभियान में अपनी ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला तथा मासिक व्याख्यान के तहत ज्ञान, विज्ञान, धर्म, दर्शन, साहित्य, संस्कृति, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति, विचारधारा, मीडिया, संविधान, पर्यावरण, खेल आदि विभिन्न क्षेत्र/अनुशासन के विशेषज्ञों व विचारको को आमंत्रित कर, श्रोता बिरादरी के लिए विचार सेतु की भूमिका का निर्वाह किया है। शहर व आसपास के क्षेत्र के समग्र विकास व बुनियादी मुद्दों यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, पर्यावरण, यातायात आदि के लिए गंभीर व सार्थक प्रयास के साथ जागरूकता अभियान के माध्यम से भी पहल की जाती रही है। कान्ह-सरस्वती नदी पुनर्जीवन के लिए सतत् अभियान के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं।

म.प्र. की आर्थिक व व्यावसायिक राजधानी के रूप में ख्यात हमारे शहर इन्दौर का देशभर में स्वच्छता में लगातार छः बार नं 1बना रहना तथा वाटर प्लस में भी नं. 1 का खिताब प्राप्त करना प्रसन्नता व गर्व की बात है। इन उपलब्धियों के लिये हम सभी को बधाई देते हुए अभिनंदन करते है। यातायात, पर्यावरण आदि क्षेत्र में भी सामूहिक प्रयास के माध्यम से हम सर्वश्रेष्ठ व सुविधाजनक शहर बनाने में सफल होंगे, ऐसा विश्वास है।

लोकतांत्रिक, संवैधानिक तथा जीवन मूल्यों के प्रति आस्था व वचनबद्धता अराजनीतिक संस्था ''अभ्यास मंडल'' की पहचान रही है। स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं का अनुशासन, समर्पण व इंदौर के नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, व्यावसायिक / औद्योगिक / जन संगठनों का विश्वास व सहयोग इसकी अमूल्य धरोहर है।

अभ्यास मंडल के ध्येय, विश्वास, गतिविधियों व उद्देश्यों के प्रति सतत् सक्रियता के संकल्प को दोहराते हुए हम अपने सभी सदस्यों, मार्गदर्शकों व सहयोगियों का अभिनंदन करते हैं। प्रत्यक्ष व परोक्ष असीम सहयोग के लिए हम सबके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए, आगे भी इसी तरह से स्नेह, सहयोग व मार्गदर्शन की अपेक्षा करते हैं।

अभ्यास मंडल की स्मारिका 'उड़ान' के इस अंक को परिचयात्मक दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है, इस संदर्भ में आपके विचार तथा रचनात्मक सुझावों का स्वागत हैं।

**शंकर लालवानी**
**संसद सदस्य (लोक सभा)**
इन्दौर, मध्यप्रदेश
सदस्य :
संसदीय स्थायी समिति - आवास एवं शहरी विकास
संसदीय सलाहकार समिति - पर्यटन और संस्कृति
संसदीय समिति - सदन की बैठक से सदस्यों की अनुपस्थिति
राष्ट्रीय बोर्ड और सहायक पाठ्यक्रम
सदस्य राष्ट्रीय बोर्ड एवं सलाहकार समिति, सूक्ष्म, लघु एवं उद्योग मंत्रालय
हिन्दी राजभाषा समिति कपड़ा मंत्रालय

सत्यमेव जयते

C1/20, हुमायूं रोड, नई दिल्ली - 110003
दूरभाष : 011-24640228
shankarlalwanibjp@gmail.com
shankarlalwanisansadoffice@gmail.com

निवास:
3, साकेत, मनीषपुरी एक्सटेंशन
इन्दौर - 452018 (म.प्र.)
दूरभाष : 0731-2560000

सांसद कार्या/दीप/2023/क्रमांक
दिनाक 23 फरवरी 2023

## शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि अभ्यास मंडल अपनी स्मारिका उड़ान का प्रकाशन कर रहा है। अभ्यास मंडल वैचारिक अनुष्ठान के साथ समग्र विकास की दिशा में सतत रचनात्मक सहयोग करता रहा है।

स्मारिका के प्रकाशन के अवसर पर मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करता हूं।

शुभकामनाओं के साथ...

(शंकर लालवानी)

---

**पुष्यमित्र भार्गव**
**महापौर, इन्दौर**

नगर पालिक निगम
एम.जी. रोड, इन्दौर
पिनकोड 452001
दूरभाष : 0731-2571112

क्रमांक : पी.एम./01/896

दिनाक 27/02/2023

## शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि अभ्यास मंडल द्वारा अपनी स्मारिका ''उड़ान'' का प्रकाशन करने जा रही है। अभ्यास मंडल इंदौर द्वारा इन्दौर शहर के विकास और उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। यह संस्था वैचारिक अनुष्ठान के साथ-साथ समग्र विकास की दिशा में सतत रचनात्मक सहयोग करती रही है।

अभ्यास मंडल द्वारा प्रकाशित की जाने वाली अपनी स्मारिका ''उड़ान'' के सफल प्रकाशन की मैं आशा करता हूँ।

इस अवसर पर मै अपनी तरफ से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(पुष्यमित्र भार्गव)
महापौर, इंदौर

## अभ्यास मण्डल कार्यकारिणी

रामेश्वर गुप्ता
*अध्यक्ष*

अशोक कोठारी
*उपाध्यक्ष*

नेताजी मोहिते
*सचिव*

पी.सी. शर्मा
*कोषाध्यक्ष*

## कार्यकारिणी सदस्य

श्रीमती मालासिंह ठाकुर श्रीमती वैशाली खरे

शफी मोहम्मद शेख

## कर्मठ कार्यकर्ता

शरद सोमपुरकर

अशोक मित्तल

द्वारका मालवीया

किशोर गंधे

**अभ्यास मंडल संस्थापक सदस्य**

**सर्वश्री मुकुंद कुलकर्णी, वसंत शिंत्रे, विजय पेंडसे, शरद बुलाख, वसंत काळेले, वसंत चिंचवडकर, शरद पारनेकर, श्रीमती सिंधु कापसे, मनोहर जैन, श्रीमती सुहासिनी कुलकर्णी**

**61 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला समिति - 2022**

- अध्यक्ष : आनन्द मोहन माथुर ■ कार्याध्यक्ष : मनोहर देव
- उपाध्यक्ष : श्यामसुन्दर यादव, डॉ. गौतम कोठारी, अजीतसिंह नारंग, अशोक जायसवाल, अशोक बड़जात्या, आलोक खरे, अरविंद तिवारी, प्रवीण खारीवाल
- संयोजक : अशोक कोठारी, श्रीमती मनीषा गौर, सुरेश उपाध्याय, श्रीमती मालासिंह ठाकुर
- समन्वयक : शिवाजी मोहिते, विद्यापति उपाध्याय, सुनील माकोड़े, नूर मोहम्मद कुरैशी, नेताजी मोहिते, डॉ. पल्लवी आढ़ाव, जयदीप कर्णिक , शफी शेख, श्रीमती वैशाली खरे
- कार्यालय प्रभारी : पी.सी. शर्मा
- मीडिया प्रभारी : प्रवीण जोशी, हरेराम वाजपेयी, जितेन्द्र जाखेटिया
- सदस्य : सर्वश्री - शरद बुलाख, बाबूभाई महिदपुरवाला, डॉ. ओ.पी. जोशी, संतोष व्यास, अभिनव धनोतकर, अनिल भोजे, संजय मोगरा, वी.के. भटनागर, तपेन्द्र सुगंधी, मुरली धामानी, नवनीत शुक्ला, राजेन्द्र जैन, मुरली खण्डेलवाल, सुरेश नाहटा, सुरेश मिश्रा, श्रीमती जमीला जालीवाला, श्रीमती दीप्ति गौर, वीरेन्द्र नाहर,आदिल खान, शब्बीर हुसैन, राजेन्द्र बिल्लोरे, मिर्जा हबीब बेग, अशोक मित्तल, अरविंद पोरवाल, पराग जटाले, अनिल मोडक, किशोर गंधे, द्वारका मालवीया, शरद सोमपुरकर, नरेन्द्र गंगवाल, राजीव गुप्ता, अवधेश अग्रवाल, अजीत विश्नार, हाजी मुनीरभाई ।

**सलाहकार समिति -2022**

माननीया पद्मभूषण श्रीमती सुमित्रा महाजन (पूर्व लोकसभा अध्यक्ष)
श्री व्ही. एस कोकजे (पूर्व राज्यपाल), श्री शंकर लालवानी (सांसद),
श्री कैलाश विजयवर्गीय (राष्ट्रीय महासचिव, भाजपा),
श्री तुलसीराम सिलावट (मंत्री, म.प्र. शासन), सुश्री उषा ठाकुर (मंत्री, म.प्र.),
श्री सज्जनसिंह वर्मा (पूर्व मंत्री, म.प्र. शासन), श्री जीतू पटवारी (पूर्व मंत्री, म.प्र. शासन)

**पद्मश्री** - अभय छजलानी, भालू मोंढे, सुशील दोशी, जनक पलटा, नेमीनाथ जैन

**सर्वश्री** - डॉ. भरत छपरवाल, अशोक चितळे, कल्याण जैन (पूर्व सांसद), भरत मोदी, गोपालदास मित्तल, श्रवण गर्ग, डॉ. रमेश बाहेती, रमेशचन्द्र मित्तल, पुरुषोत्तमदास पसारी, रविमोहन, सत्यनारायण पटेल (पूर्व विधायक), महेश शास्त्री, ओ.पी. गोयल, के.सी. धूत, डॉ. सरोज कुमार, वीरेन्द्र गोयल, गिरीश मतलानी, श्रीकृष्णदास मित्तल, शिवसिंह मेहता, रामेश्वर असावा, डॉ. अनिल भंडारी, सुरेन्द्र संघवी, जगदीश वर्मा, डॉ. सुनंदा जैन, नंदलाल मोगरा, विष्णु बिंदल, अनिल त्रिवेदी, एस.के. चौधरी, संजय सुराना, टी.सी. गर्ग, संतोष मुछाल, राजीव गुप्ता, उपेन्द्रसिंह बापना, एस.के. सचदेवा, हिमांशु राय, गिरीश अग्रवाल, सतीश बागड़िया, शैलेश जैन, वसंत शिंत्रे, मुकुंद कुलकर्णी।

# अभ्यास मंडल - संक्षिप्त परिचय

रामेश्वर गुप्ता
*अध्यक्ष*

साठ व सत्तर के दशक में देश में स्टडी सर्कल के रूप में विचार-विमर्श के अनेक केन्द्र निर्मित हुए तथा इनके माध्यम से विभिन्न विषयों व किताबों पर सार्थक चर्चा / विमर्श की परम्परा बनी। इसी तर्ज पर 1959 में इंदौर के दस युवा साथियों ने अभ्यास मंडल का गठन किया था। अपनी समझ विकसित करने के जिस उपक्रम की शुरुआत इस युवा पीढ़ी ने की थी वह आज वृद्ध हो चुकी है परंतु अपनी रचनात्मक गतिशीलता से यह मंच युवा व ऊर्जावान बना हुआ है। निरंतर सक्रियता व विस्तार से इस संगठन की पहचान इंदौर के वैचारिकी की प्रतिनिधि संस्था के रूप में कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

अभ्यास मंडल वैचारिक रूप से उदार, सहिष्णु, संवैधानिक व जीवन मूल्यों के प्रति समर्पित एक ऐसा मंच है जो लोकतांत्रिक मूल्यों से संचालित है। स्वेच्छिक व अराजनैतिक कार्यकर्ताओं के इस मंच ने कभी सरकारी अनुदान का सहारा नहीं लिया है, न ही अपनी आस्तियॉ निर्मित की है। समर्पित कार्यकर्ता, नागरिकों का विश्वास व विभिन्न सामाजिक, औद्योगिक, व्यवसायिक व श्रम संगठनों का समर्थन, सहयोग व विश्वास ही अभ्यास मंडल की शक्ति व पूंजी है।

ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला, संस्कृति, समाज, अर्थ, राजनीति, कानून आदि विभिन्न अनुशासनों के विशेषज्ञों, विचारकों, समाज सुधारकों, सक्रिय कार्यकर्ताओं को आमंत्रित कर श्रोताओं से रूबरू कराता यह मंच सार्थक संवाद के सेतु की भूमिका का भी निर्वाह करता है।

वैचारिक व्याख्यान, बहस व परिचर्चा के साथ इंदौर व मालवा-निमाड़ के क्षेत्र के समग्र व समुचित विकास के लिए भी संगठन समय-समय पर उत्प्रेरक के रूप में पहल तथा रचनात्मक हस्तक्षेप करता रहा है। इंदौर की पेयजल समस्या के निदान के लिए नर्मदा का पानी लाने का अभियान, मिलों की जमीन के संरक्षण व सामाजिक उपादेयता के लिए न्यायालीन कार्यवाही, रेल सुविधाओं के विस्तार, सुधार व उन्नयन के लिए प्रयास व जन अभियान, वृक्षों की कटाई के विरुद्ध आंदोलन, कान्ह नदी को पुनर्जीवित करने का अभियान, आतंकवाद के विरूद्ध रैली, सर्वधर्म समभाव सम्मेलन, मध्यप्रदेश के हितों के लिए वित्त आयोग को ज्ञापन/अपील आदि इसके प्रमाण हैं। 9वें वित्त आयोग को अभ्यास मंडल के प्रतिवेदन के आधार पर मध्यप्रदेश को रू. 485 करोड़ की राशि अतिरिक्त प्राप्त होना एक उल्लेखनीय उपलब्धी है। मास्टर प्लान/स्मार्ट सिटी/मेट्रो रेल आदि विकास परियोजनाओं के गुणदोष को लेकर विशेषज्ञों से चर्चाओं व निष्कर्षों को सम्बंधित एजेंसी तक पहुंचाने के सार्थक प्रयास अभ्यास मंडल करता रहा है। वर्ष 2008 से कान्ह नदी को पुनर्जीवित करने की मांग करते हुए घाटों पर सफाई अभियान व विशेषज्ञों से रायशुमारी कर वैज्ञानिक दृष्टि से इस कार्य को गति प्रदान करने के गम्भीर प्रयास भी लगातार किये गए हैं। नदी पुनर्जीवन के स्वप्न व संकल्प को दोहराने के निहितार्थ प्रतिवर्ष घाट पर दीपोत्सव, विद्यार्थियों के मध्य चेतना जागृत करने के लिए विद्यालयीन व महाविद्यालीयन भाषण/परिचर्चा/ वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि के आयोजन, महिला रैली तथा समग्र अभियान पर केंद्रित स्मारिका 'उड़ान' का प्रकाशन भी अभ्यास मंडल द्वारा किया गया है। ग्राम नगर सहकार योजना, बाल आनंद महोत्सव, बाल कथामाला, व्यक्तित्व विकास शिविर, स्वच्छता, यातायात, पर्यावरण, ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण, मतदान के प्रति जागरूकता अभियान जैसे अनेकों आयोजनों की निरंतर श्रृंखला इस संगठन की समाज के प्रति निष्ठा व प्रतिबद्धता के परिचायक है।

अभ्यास मंडल के व्याख्यानों में तीन पूर्व प्रधानमंत्री सर्वश्री मोरारजी देसाई, श्री चंद्रशेखर व श्री इंद्रकुमार गुजराल के साथ अनेक राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री, न्यायाधीश, सांसद, अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, समाज सुधारक, सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यकार, संस्कृतिकर्मी, शिक्षाविद्, पत्रकार, कुटनीतिज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी, राजनेता, खिलाड़ी व खेल समीक्षक को सुनने व संवाद करने का विशिष्ठ अवसर प्रबुद्ध श्रोताओं को प्राप्त हुआ है।

मासिक व्याख्यानमाला के आयोजन से विचार-विमर्श की प्रक्रिया को गति मिली है तो ज्वलंत मुद्दों पर स्थानीय विशेषज्ञों व विद्वानों के विचार और सुझाव ने दिशादर्शन का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

अपने सदस्यों, शुभाकांक्षियों, मार्गदर्शकों व सहयोगियों के सुझाव के आधार पर अभ्यास मंडल विचार व विकास के लिए अपनी गतिविधियों व अभियानों को अपने उद्देश्यों के अनुरूप संचालित करता रहेगा।

# विगत 64 वर्ष की प्रमुख गतिविधियाँ

**नेताजी मोहिते,** सचिव

अभ्यास मंडल ने इंदौर क्षेत्र में दलगत राजनीतिक विचार धारा से अलग हटकर नगर के बुद्धिजीवियों, उद्यमियों, प्रशासनिकों, शिक्षाविदों तथा सृजनात्मक गतिविधि में रूचि रखने वाले समाजसेवी को जोड़कर सह निर्माण और क्षेत्रीय विकास की समस्याओं को हल करने की पहल की है। इन्दौर में जल संकट निवारण हेतु नर्मदा योजना को लाने तथा म.प्र. केन्द्रीय आयोग को निवेदन, वार्षिक ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला का आयोजन, मासिक व्याख्यानों का सिलसिला, ग्राम नगर सहकार योजना, अंर्तप्रांतीय बाल मेला आदि कई कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था ने अपनी लोकप्रियता व साख बनाई । जिसमें संस्था के आयोजकों, कार्यकर्ताओं, दानदाताओं, नागरिकों, प्रशासन एवं समाचार पत्रों का सहयोग विशेष उल्लेखनीय है । अभ्यास मंडल ने पिछले 64 वर्ष में कोई भी सरकारी अनुदान नहीं लिया, इन्दौर के दानदाताओं ने इसमें पूरा सहयोग किया । हर वर्ष का जमा खर्च का ऑडिट कर जनता के समक्ष रखा है।

**अभ्यास मंडल की प्रमुख गतिविधियाँ**

■ **नर्मदा आन्दोलन** ■ **ग्राम नगर सहकार योजना**
■ **बाल आनंद महोत्सव** ■ **युवा महोत्सव**
■ **ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला**
■ **मासिक व्याख्यान** ■ **चर्चा एवं सेमिनार**
■ **कान्ह व सरस्वती नदी पूर्नजीवन अभियान**
■ **नगर हित में मास्टर प्लान, महानगर, पर्यावरण, रेल्वे विकास, यातायात सुधार आदि कई योजनाओं में यथा संभव योगदान**

**वार्षिक ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला :** अभ्यास मंडल ने अभी तक 61 वार्षिक व्याख्यानमाला का आयोजन कर नगर को देश के पूर्व प्रधानमंत्री मा. मोरारजी देसाई, मा. चन्द्रशेखर एवं मा. इन्द्रकुमार गुजराल एवं पूर्व राज्यपाल श्री एच.व्ही.पाटसकर, डॉ. श्री भाई महावीर, श्री व्ही.एस.कोकजे, श्री के.सी. रेड्डी, श्री शफी एहमद कुरैशी, श्री बलराम जाखड़, न्यायमूर्ति श्री आर.सी. लाहोटी, श्री वी.एस.तारकुंडे, श्री चन्द्रशेखर धर्माधिकारी, श्री ए.के. पटनायक, श्री एम.एस. सिद्दीकी, श्री जे.सी. वर्मा, श्री डी.एम. धर्माधिकारी एवं अर्थशास्त्री श्री सी.बी. भावे, श्री एन. दांडेकर, डॉ. एन.रथ, प्रो. मीनहास, श्री मिहिर शाह, श्री अशोक देसाई, श्री भरत झुनझुनवाला के अलावा प्रमुख चिंतक, समाज सुधारक, विधिवेत्ता, प्रशासकों, सैनिक अधिकारियों और विशेषज्ञों से मुलाकात करने, उनके अनुभव और विचार जानने तथा संवाद करने का अवसर दिया है। अभी तक 950 वक्ताओं से रूबरू किया है। इसके साथ ही मासिक व्याख्यानों का सिलसिला भी शुरु हुआ है । इसमें भी देश, प्रदेश व स्थानीय अपने विषयों में ख्याति प्राप्त वक्ताओं ने शिरकत की है।

**नर्मदा आंदोलन :** 50 वर्ष पूर्व जल संकट निवारण हेतु इंदौर -महू की जनता के क्षेत्र के नागरिकों के पूर्ण सहयोग से निखरा यह नर्मदा आंदोलन इन्दौर के इतिहास में स्वर्णिम यादगार रहेगा। अभ्यास मंडल के नेतृत्व में 5 जुलाई 1970 से 23 अगस्त 1970 तक चला यह आंदोलन अपने आप में अद्वितीय था। वहीं सबसे बड़ी ताकत नर्मदा आन्दोलन की थी जिसके प्रयास से आज इंदौर में पीने का पानी नर्मदा आन्दोलन के माध्यम से उपलब्ध हो रहा है।

**केन्द्रीय वित्त आयोग को प्रतिवेदन :** म.प्र.में राजधानी छोड़कर पहली बार 1990 में इन्दौर शहर को केन्द्रीय वित्त आयोग को ज्ञापन दिया जिससे केन्द्र सरकार से मिलने वाली अनुदान राशि से 485 करोड़ अतिरिक्ति बढ़ाने में अभ्यास मंडल की अहम भुमिका रही है।

**ग्राम नगर सहकार योजना :** सतत् विचारों के साथ समाज सेवा हेतु युवाओं को ग्राम नगर के बीच समन्वय, सहयोग एवं रचनात्मक कार्य के लिये प्रेरित किया । ''ग्राम-नगर सहकार योजना'' के माध्यम से युवा शक्ति ने कई योजनाऐं बनाई साथ ही ग्रामीणों के सहयोग से श्रमदान कर ग्राम निर्माण, साफ सुथरा जीवन, स्वास्थ्य, पानी, शिक्षा, महिलाओं के उत्थान हेतु विकास कार्य किया। इसमें ग्रामीणों के साथ शहरी युवक युवतियों ने भी अपना योगदान दिया । इंदौर के विभिन्न महाविद्यालय के छात्र-छात्राएँ , युवा शक्ति गांवों का अध्ययन करने 125 की संख्या में सायकल से खंडवा रोड 2 घाट पार कर बाई गांव पहुचे, 4/5 के टोलियों में सायकल से आसपास के गांव सेंडल, मेंडल, गाजिन्दा, लालपुरा, बलवाड़ा आदि गाँवों का आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण करने हर घर झोपड़ी में जाकर उनसे जानकारी प्राप्त की व चौकाने वाले तथ्य सामने आये । उस सर्वे की जानकारी एक जगह इकठ्ठा कर आगे बढ़ने का निर्णय हुआ। 5 गांव गोद लिये, यहां से शुरु हुई युवा को गांवों से जोड़ने की 'ग्राम नगर

सहकार योजना' यह कार्यक्रम इंदौर के आसपास के गांवों में भी शुरु हुआ। शनिवार को दोपहर कार्यकर्ता सायकल से निकलते अपने अपने टिफिन लेकर, रात्रि बाई ग्राम में रामप्रसाद पटेल के यहां विश्राम, केम्पफायर, दूसरे दिन सुबह टोलियाँ पहुंचती गाँवों में साफ-सफाई, सड़क, नहर, वृक्षारोपण, चिकित्सा शिक्षा की जानकारी आदि काम करते रहे। गांव वाले भी हमारे साथ घुलमिल गये उसके कारण हमारे काम के उद्देश्य को गति व सफलता मिलती गयी। यह सिलसिला कई सालों तक चलता रहा, आज वह गांव अच्छे हो गये है।

**बाल आनंद महोत्सव :** आंतरभारती के सहयोग से मल्हाराश्रम में 5000 बच्चों के बाल मेले में देश के कोने-कोने से बच्चे पधारे थे। एक घर पर एक बच्चे को अलग-अलग धर्म-जाति के अनुसार रुकवाया गया था। जिस घर में बच्चा रुका था उस घर के सदस्य मेला स्थल पर छोड़ने आते थे। आज भी कई परिवार से बच्चों का पत्र व्यवहार-बातचीत जारी है। मल्हार आश्रम मैदान का दृश्य देखने लायक था, 26 अलग-अलग टेंट में गतिविधि थी। ड्राइंग, कठपुतली, खेल मिट्टी से मूर्ति बनाना, हस्तकला, कथा-कथन, डांस, नाट्य, बैंक एवं स्टेट बैंक ऑफ ऑफ इन्दौर के माध्यम से डमी बैंक काउन्टर आदि बच्चे अपनी रुचि के अनुसार गतिविधि करते, कोई रोक टोक नहीं, अपनी मर्जी से बच्चे गतिविधि कर रहे थे। यह पांच दिन तक चला फिर ऐसे छोटे मेले कई जगह आयोजित होते रहे, कई कार्यकर्ता दिनभर सेवपरमल खाकर काम करते रहे।

इन्दौर में देशभर के करीब पांच हजार नन्हें-मुन्नों का पांच दिवसीय रंग-रंगीला, चहकता-महकता संसार सजाने के लिये आयोजकों को पांच माह का समय सारी तैयारियों को पूरा करने में लगा था। बाल प्रतिभाओं और बाल अभिरूचियों को विकसित करने एवं बच्चों में राष्ट्रीय एकता की भावना जगाने के उद्देश्य से बाल महोत्सव के आयोजन किये गये थे।

6 से 14 वर्ष तक की आयु के ये बच्चे इन्दौर की प्रसिद्ध समाज सेवी संस्था 'अभ्यास मंडल' के सहयोग से पूना भी भेजे गये थे। अभ्यास मंडल इन्दौर के युवा कार्यकताओं ने बाल महोत्सव को सफलतापूर्वक आयोजित करने का भार अपने कंधो पर उठाने का निर्णय लिया। अब क्या था, तैयारियाँ शुरु हुई। व्यक्तिगत चर्चा, बैठक व सभाओं के कार्यकर्ताओं की एक बैठक व सभाओं के माध्यम से महोत्सव का प्रचार-प्रसार शुरु किया गया। माह सितम्बर के तीसरे सप्ताह में इन्दौर नगर के संभ्रान्त एवं बाल कल्याणकारी, गतिविधियों में रूचि रखने वाले नागरिकों तथा विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं के कायकर्ताओं की एक बैठक इन्दौर वि.वि. के पीछे स्थित थियासाफीकल सोसायटी के सभाकक्ष में आयोजित की गई। काफी अच्छी और उत्साहवर्धक संख्या में लोग उपस्थित हुए। निर्णय हुआ कि बाल महोत्सव 29 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक आयोजित हो और इसमें देश के विभिन्न प्रान्तों के डेढ़ हजार, म.प्र. 500 एवं इन्दौर नगर के 1000 बच्चों को सम्मिलित किया जावे। म .प्र. के भू.पू. कृषि मंत्री श्री भागवत साबू आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं मुकुन्द कुलकर्णी महासचिव बनाये गये। शिक्षा विभाग ने थोड़े से प्रयत्नों में ही सहर्ष महोत्सव के लिये रामबाग स्थित मल्हारश्रम उ.मा.वि. का भवन एवं विशाल मैदान उपयोगकरने की स्वीकृति प्रदान की। जूना राजबाड़ा स्थित गणेश हालके समीप एक कमरे में महोत्सव का कार्यालय स्थापित किया गया। श्री दिवाकर तेलंग, कु. सुशीला सेन एवं श्री नेताजी मोहिते कार्यालय प्रमुख थे। पत्र व्यवहार का सिलसिला शुरु हुआ। बाल महोत्सव प्रचार-प्रसार के साथ ही नगर के उत्साही युवक-युवतियां स्वेच्छा से कार्यकर्ता के रूप में आगे आने लगे और वे सब गये, अपने दिये हुए कार्यों को पूरा करने में। भारत स्काउट एवं गाइड्स म.प्र. इन्दौर के ढाई सौ स्काउट्स ने भी महोत्सव की व्यवस्था में सहयोग किया। तकरीबन 500 स्वयं सेवकों एवं कार्यकताओं के अथक परिश्रम से इस विशाल महोत्सव की व्यापक तैयारियां पूर्ण की गई। ये

सारे कार्यकर्ता श्री नरेन्द्र कश्यप के निर्देशन एवं मार्ग दर्शन में कार्य कर रहे थे । श्री कश्यप के अनुसार कार्यकर्ताओं में बच्चे और युवक-युवतियां दोनों शरीक थे । इन्होंने लगन, उत्साह व मेहनत से अपना खाना-पीना और थकावट को भूलकर अपने काम को अंजाम दिया, सचमुच वे बधाई व धन्यवाद के पात्र हैं । इनके सहयोग के बिना इतने विशाल महोत्सव का सुव्यवस्थित आयोजन संभव नहीं था।व्यवस्था की दृष्टि से नगर को पांच क्षेत्रों में बांटा गया । बस स्टेशन और रेल्वे स्टेशन पर भी सूचना एवं स्वागत केन्द्र बनाये गये थे । पांच दिनों तक रोजाना कार्यकर्ता अतिथि एवं स्थानीय बच्चों को उनके घरों तक वापस

पहुँचाने का कार्य करते रहे । यातायात समिति के संयोजन श्री धर्मवीर शर्मा और ओम मिश्रा ने बताया कि इस कार्य के लिये नगर के निजी बस मालिकों ने अपनी सात बसें सेवा में लगा दी ।इसमें सम्मिलित होने वाले देश के विभिन्न प्रान्तों के समस्त बच्चों को 'एक परिवार-एक बच्चा' के सिद्धांत के आधार पर इन्दौर नगर के अलग-अलग परिवारों में ठहराने की व्यवस्था की गई । इस व्यवस्था के अन्तर्गत करीब डेढ़ हजार अतिथि बच्चों को नगर के 111 मोहल्लों में बसें विभिन्न मेजबान परिवारों में ठहराया गया। अतिथि बालकों को ठहराने की होड़ में इन्दौर के मेजबान परिवारों ने जिस आतुरता व उत्साह के साथ अपने को प्रस्तुत किया, उससे वे बेहद प्रसन्न थे। मेजबान परिवारों को तैयार करने के लिए लगभग 5 हजार घरों से सम्पर्क किया। अंतिम दिनों में तो अनेक परिवार-महोत्सव कार्यालय में आकर ही अपने आवेदन-पत्र जमा करवा गये । महाराष्ट्रीयन, अग्रवाल व गुजराती परिवारों की संख्या अधिक है। जैन, सिख, पंजाबी, ईसाई, अनुसूचित जाति व मुस्लिम परिवारों ने भी उत्साहपूर्वक सहयोग दिया । रामबाग, वल्लभनगर, स्नेहलतागंज, जूनी इन्दौर, बीमा नगर, महेश नगर, बियाबानी, जती व पंत वैद्य कालोनी के परिवारों ने सर्वाधिक संख्या में अतिथि बालकों को अपने यहां ठहराया था । कई मेजबान ऐंसे भी सामने आये जो दो से लगाकर दस नन्हें अतिथियों की मेहमान नवाजी करने को तैयार थे।

अभ्यास मंडल के प्रधानमंत्री श्री सुभाष कर्णिक ने बाल आनन्द महोत्सव के संबंध में कहा कि राष्ट्रीय एकात्मता और बच्चों के उन्नयन की दिशा में यह एक गैर सरकारी निस्वार्थ प्रयत्न था। देश के हर प्रांत व जिले में इस तरह के प्रयोग सतत रूप से होने चाहिये। आपने महोत्सव में सहयोग के लिये पुलिस और होमगार्ड का आभार माना । बाल महोत्सव के आयोजन की योजना को पूना से इन्दौर लाने वाली अभ्यास मंडल की एक ओर सक्रिय व कर्मठ स्वयं सेविका कुमारी सुशीला सेन ने कहा था ''बच्चों के काम करने में सचमुच बड़ा ही आनन्द मिलता है ।'' नगर की युवा शक्ति सब कुछ भूलकर पूर्ण जिम्मेदारी, लगन व परिश्रम के साथ तन्मय होकर अपने काम में लगी हुई थी। उन्होंने लगन, उत्साह और ईमानदारी के साथ अपना दायित्व निभाया। सचमुच उनका निस्वार्थ सहयोग भुलाया नहीं जा सकता।

**कान्ह व सरस्वती नदी पुर्नजीवन अभियान :** अभ्यास मंडल द्वारा वर्ष 2008 से सतत कान्ह-सरस्वती पुनर्जीवन अभियान के माध्यम से शहर के मध्य स्थित नदियों हेतु जन जागरण के कार्य किए जाते रहे हैं , जिसमें नगर के हजारों नागरिकों द्वारा भाग लेकर इन नदियों में साफ कल-कल बहते हुए पानी को देखने की आकांक्षा जताई है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद, महापौर, जनप्रतिनिधियों, जिलाधीश, नगर निगम आयुक्त आदि को ज्ञापन के माध्यम से अवगत करा कर माँग की गई परंतु पुनर्जीवन हेतु कोई ठोस पहल नहीं हुई है। नदी पुर्नजीवन के ध्यानाकर्षण हेतु अभ्यास मंडल ने समय-समय पर घाटों की प्रतिकात्मक सफाई हेतु पहल की है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने श्रमदान किया है। घाटों पर दीपोत्सव के माध्यम से भी मुद्दों के प्रति ध्यान आकर्षित करने के प्रयास किए गए है । महिलाओ की रैली, मानव श्रृंखला, हस्ताक्षर अभियान तथा धरनों का आयोजन भी

नदी पुनर्जीवित हेतु किया गया है।

इसके साथ साथ शहर हित में मास्टर प्लान, महानगर घोषित करने हेतु , पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन, रेल सुविधा के विकास, विस्तार व उन्नयन, साम्प्रदायिक सदभावना व एकता, यातायात सुधार तथा स्वच्छ इन्दौर-स्वस्थ इन्दौर, शिक्षा व स्वास्थ्य चेतना आदि में यथा संभव योगदान करना, ऐसे कार्यक्रम लगातार चलते रहे हैं। साथ में नगर के नागरिकों से सकारात्मक सहयोग मिलता रहा है। अभ्यास मंडल की लोकप्रियता व विश्वसनीयता को देखते हुए नगर के नागरिकों की अपेक्षाऐं भी बढ़ी हैं । इसके अनुसार संस्था नागरिकों व शासन-प्रशासन के बीच विचारों के माध्यम से एक उत्तम सेतु बनने का प्रयास करेगी।

तत्कालीन नगरीय प्रशासन मंत्री श्री जयवर्धनसिंह व
निगमायुक्त श्री आशीष सिंहसे नदी पुनर्जीवन पर चर्चा

नदी पुनर्जीवन के लिए कृष्णपुरा छत्री पर ध्यानाकर्षण धरना

मासिक व्याख्यान में श्री सईद अंसारी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए
श्री जयदीप कर्णिक

परिचर्चा - समाज के विकास में मेरी भूमिका

इंदौर मेडिकल हब पर परिचर्चा

इंदौर ऐजुकेशन हब पर परिचर्चा

# विगत 64 वर्ष की क्रमवार कुछ गतिविधियाँ

■ प्रतिवर्ष ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला तथा मासिक व्याख्यान ■ सन् 1963 में ग्राम नगर सहकार योजना ■ सन् 1970 में इन्दौर पेयजल समस्या के निराकरण एवं नर्मदा जल लाने हेतु सार्थक जन-आन्दोलन ■ सन् 1972 में इन्दौर के मास्टर प्लान हेतु प्रयास ■ सन् 1980-1990 तक सतत् बाल- कथामाला ■ अभ्यास मण्डल द्वारा 9वें वित्त आयोग को दिए गए प्रतिवेदन के कारण मध्यप्रदेश को 485 करोड़ रुपये अतिरिक्त धनराशि प्राप्त हुई ■ सन् 1992 में श्रद्धेय बाबा आमटे की उपस्थिति में चेतना अभियान ■ सन् 1997 में 'भविष्य के भारत' पर न्यायमूर्ति श्री चन्द्रशेखर धर्माधिकारी की अध्यक्षता में तीन दिवसीय संगोष्ठी ■ मार्च 2002 में धर्मनिरपेक्षता में विश्वास अभियान के अन्तर्गत 'सर्वधर्म सभा'। भारत के महामहिम राष्ट्रपति के नाम पाती-आतंकवाद के विरूद्ध ''हस्ताक्षर अभियान'' ■ 30 जुलाई, 2006 'भविष्य का इन्दौर' मास्टर प्लान 2021- जनभागीदारी ■ जून 2007 में अवैध वृक्ष कटाई के विरोध में धरना आंदोलन ■ सितम्बर 2007 में स्वदेशी मिल भूमि अधिग्रहण के विरूद्ध धरना ■ दिसम्बर 2007 इन्दौर -मनमाड़ रेलवे मार्ग हेतु धरना ■ अक्टूबर 2007 माननीय मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से म.प्र. के विकास हेतु मुलाकात, विकास पत्रिका का प्रकाशन ■ जून, 2010 'व्यक्तित्व विकास शिविर' (7 दिवसीय 5-11) ■ 15 अप्रैल 2013 आधार कार्ड हेतु शिविर ■ जून-जुलाई 2014 ऐतिहासिक धरोहर बचाओ अभियान ■ 13 सितम्बर 2014 ''स्मार्ट सिटी अवधारणा'' पर परिचर्चा व स्मारिका 'उड़ान' का प्रकाशन ■ 2 अक्टूबर 2014 राजबाड़ा पर सफाई अभियान ■ 18 दिसम्बर 2014 नई नगर निगम परिषद और जन आकांक्षा पर टॉक शो। ■ 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ■ 18 मई इन्दौर स्थापना दिवस, 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस ■ 1 नवम्बर म.प्र. स्थापना दिवस, खान-नदी घाट पर दीपोत्सव, यातायात सप्ताह के प्रतिवर्ष नियमित होने वाले आयोजन।

वर्ष 2015 : ■ 30 अप्रैल विश्व शांति और साहित्य पर डॉ. शैलेन्द्र शर्मा (उज्जैन) ■ 10 जून विकास की अवधारणा पर डॉ. अरूण वर्मा (उज्जैन) का व्याख्यान तथा सुरेश उपाध्याय के आलेख संकलन ''हाशिये की आवाज'' का विमोचन ■ 7 अगस्त लोकसभा में गतिरोध पर परिचर्चा ■ 4 सितम्बर श्री सुभाष कर्णिक अमृतोत्वस ■ 1 सितम्बर ''यातायात हमारी जिम्मेदारी'' व 10 सितम्बर इन्दौर स्मार्ट सिटी-दिवा स्वप्न? क्रमश: विद्यालयीन व महाविद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता ■ 12 सितम्बर अभ्यास मंडल का 57 वां स्थापना दिवस, श्रीमती निलोफर भागवत का व्याख्यान ■ 25 अक्टूबर प्रस्तावित इन्दौर मेट्रो रेल परियोजना पर परिचर्चा ■ 14 दिसम्बर अमन का पैगाम-सूफीवाद पर सुश्री सादिया देहलवी (दिल्ली) का व्याख्यान ■ 21 दिसम्बर रामायण में वर्णित श्रीलंका के स्थानों पर शोध पर श्री अशोक कैथ (पंजाब) का व्याख्यान।

वर्ष 2016 : ■ 12 जनवरी यातायात नियम व सुरक्षा पर परिचर्चा। ■ 16 जनवरी विश्व इतिहास में भारत का सबसे बड़ा चुनाव संचालन पर मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ओ.पी. रावत का उद्‌बोधन व जिलाधीश श्री पी. नरहरि की उपस्थिति में इन्दौर के प्रथम जिलाधीश श्री ठाकुर नारायणसिंह जी का सम्मान ■ 25 जनवरी बढ़ती उम्र की समस्याओं पर डॉ. हरीश भल्ला (दिल्ली) की अध्यक्षता में राष्ट्रपति भवन की मानद् चर्मरोग विशेषज्ञ डॉ. दीपाली भारद्वाज का उद्‌बोधन ■ 31 जनवरी रेल सुविधाओं के विस्तार हेतु धरने में विभिन्न संगठनों, नागरिकों व निमाड़क्षेत्र के प्रतिनिधियों की भागीदारी, ■ 6 फरवरी श्री सुधिन्द्र कुलकर्णी, विचारक, चिंतक मुंबई का व्याख्यान ■ 8 मार्च महिला अधिकार व चुनौतियाँ पर डॉ. निशा दुबे का व्याख्यान व डॉ. भक्ति यादव का सम्मान ■ 6 मई श्री रामप्रकाश त्रिपाठी, साहित्यकार, भोपाल का व्याख्यान ■ 22 जुलाई इन्दौर नगर निगम बजट पर श्री अजय सिंह नरूका का वक्तव्य व ईद मिलन समारोह ■ 22 अगस्त प्रो. रामराजेश मिश्र, पूर्व कुलपति उज्जैन व जबलपुर विश्वविद्यालय का व्याख्यान ■ 3 सितम्बर अर्न्तविद्यालयीन भाषण प्रतियोगिता ■ 8 सितम्बर अर्न्तमहाविद्यालयीन वादविवाद प्रतियोगिता ■ 20 अक्टूबर वरिष्ठ पत्रकार व सी.एस.डी.एस. के संचालक श्री अभय कुमार दुबे का व्याख्यान ■ 1 नव. म.प्र. के 61 वें स्थापना दिवस पर परिचर्चा ■ 6 नवं. कान्ह नदी पुनर्जीवन संकल्प के तहत घाट पर दीप महोत्सव। ■ 13 नव. देश की अर्थ व्यवस्था में 500 व 1000 के नोट बंद करने पर परिचर्चा।

वर्ष 2017 : ■ 14 जन. सड़क सुरक्षा सप्ताह परिचर्चा। ■ 29 मार्च डॉनल्ड ट्रंप के युग में भारतीय अर्थव्यवस्था - श्री भरत झुनझुनवाला। ■ 24 अप्रैल श्री अशोक वानखेड़े का व्याख्यान - राजनीति का ये कैसा दौर। ■ 6-13 मई 58 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला। ■ 13 सित. 59 वां स्थापना दिवस व दीपों का प्रज्जवलन मुख्य अतिथि पूर्व सांसद व राष्ट्रीय प्रवक्ता कांग्रेस श्री राशिद अल्वी। ■ 25 नव. न्यायिक

सुधार विषय पर मा.श्री प्रशांत भूषण वरिष्ठ अधिवक्ता उच्चन्यायालय। ■ 1 दिसम्बर - जी.एस.टी. जटिलता व जनाकांक्षा विषय व्याख्यान उपमुख्यमंत्री दिल्ली मा. श्री मनीष सिसौदिया।

वर्ष 2018 : ■ 6 जन. श्रीमती पीटर कूजनिक- अमेरिका की अनकही कहानी पर व्याख्यान। ■ 12 जन.आधार अनिवार्यता और निजता का अधिकार पर व्याख्यान - मा. श्री अनुपम सराफ पुणे।

वर्ष 2019 : ■ 6 मार्च महिला दिवस ■ 25 मई से 1 जून 60वीं व्याख्यानमाला। ■ 13 सित. स्थापना दिवस।

वर्ष 2020 : ■ 29 जन. वार्षिक साधारण सभा 6 मार्च महिला दिवस सम्मान समारोह एवं स्वास्थ्य परिक्षण ■ 13 सित. 62 वां स्थापना दिवस पर दीप प्रज्जवलनएवं वेब परिचर्चा (नई शिक्षा नीति-उद्देश्य व संभावनाएं) ■ 20 सित. वेब परिचर्चा (इन्दौर महानगर) ■ 11 अक्टू वेब परिचर्चा (श्रम कानून परिवर्तन व कृषि कानून परिवर्तन) ■ 22 नव. कान्ह व सरस्वती नदी सफाई प्रगति के जागृति के लिये दीप प्रज्जवलन (दीपोत्सव) ■ 20 दिस. वार्षिक साधारण सभा।

वर्ष 2021 : ■ 3 जन. अभ्यास मंडल के नई कार्यकारिणी की प्रथम बैठक ■ 17 जन. परिचर्चा नगर निगम की नई परिषद से अपेक्षाएं ■ 31 जन. यातायात सुरक्षा माह में संस्था की भागीदारी ■ 19 दिस. वार्षिक साधारण सभा

वर्ष 2022 : ■ 03 मई व्याख्यानमाला समिति बैठक एवं निमंत्रण पत्र का विमोचन ■ 07 मई से 13 मई तक 61 वीं व्याख्यानमाला ■ 03 सित. परिसंवाद भारत की विदेश नीति व पडोसी देश, श्री सईद अंसारी ■ 06 सित. विद्यालयीन भाषण अभिव्यक्ति प्रतियोगिता 'मेरा शहर मेरी अपेक्षाए' ■ 10 सित. महाविद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता 'शिक्षा का व्यवसायीकरण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की ओर ले जाएगा?' ■ 13 सित. 64 दीपों का प्रज्वलन एवं व्याख्यान 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 चुनौतियाँ एवं अवसर' ■ 29 सित. अभ्यास मंडल एवं पत्रिका अखबार के स्थापना दिवस पर कान्ह/सरस्वती नदी की महाआरती ■ 30 कार्यशाला राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की उदात्त जीवनशैली और कार्यपद्धति आज भी प्रासंगिक है ■ 31 अक्टूबर मान. श्री पुष्पमित्र भार्गव, महापौर का अभिनंदन तथा 'शहरहित एवं विकास पर संवाद' ■ 01 नव. दीपोत्सव कान्ह व सरस्वती नदी को समर्पण ■ 11 नव. परिचर्चा - माँ अहिल्या की नगरी में यह सब नहीं चलेगा ■ 12 नव. पंडित श्री मदनमोहन मालवीय की जयंती समारोह 'जीवनी व शिक्षा' ■ 19 नव. व्याख्यान - शिक्षा सूत्र-शिक्षा के शाश्वत भारतीय सिद्धांत ■ 28 नव. समूह परिचर्चा - हमारा संविधान अधिकार और कर्तव्य।

वर्ष 2023 : ■ 12 फर. - कान्ह-सरस्वती पुनर्जीवन ध्यानाकृष्ण हेतु कृष्णपुरा छत्री पर धरना ■ 26 फर. - कान्ह-सरस्वती पुनर्जीवन ध्यानाकृष्ण हेतु हरिसिद्धी क्षेत्र पर धरना।

अमर जवानों को अभ्यास मंडल की पुष्पांजलि

इन्दौर जल प्रबंधन में बने नं. 1 अभियान

परिचर्चा - नई नगर निगम से अपेक्षाऐं

परिचर्चा - नई नगर निगम से अपेक्षाऐं

# विगत 64 वर्षों में ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला व मासिक व्याख्यान में आमंत्रित विशिष्ट विद्वान वक्ता

**पूर्व प्रधानमंत्री**

श्री मोरारजी देसाई, श्री चन्द्रशेखर, श्री इन्द्रकुमार गुजराल

**राज्यपाल**

श्री एच.व्ही पाटसकर, डॉ. भाई महावीर, श्री व्ही.एस. कोकजे, श्री के.सी. रेड्डी, श्री शफी एहमद कुरैशी, श्री बलराम जाखड़

**न्यायमूर्तिगण**

श्री आर.सी. लाहोटी, श्री वी.एस. तारकुंडे, श्री चन्द्रशेखर धर्माधिकारी, श्री ए.के. पटनायक, श्री एम.एस. सिद्दीकी, श्री जे.सी. वर्मा, श्री डी.एम. धर्माधिकारी

**केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री**

श्री अर्जुनसिंह, श्री प्रकाशचन्द्र सेठी, श्री पृथ्वीराज चव्हाण, श्री वसंत साठे, श्री जॉर्ज फर्नांडिस, श्री शिवराज पाटिल, श्री दिग्विजयसिंह, श्री शिवराजसिंह चौहान, श्री फारूख अब्दुल्ला, प्रो. मधु दंडवते,श्री राजीवप्रताप रूढी, श्री अरविंद केजरीवाल, श्रीमती सुमित्रा महाजन, श्री जयराम रमेश, वी.के. कृष्णमेनन, श्री यशवंतराव चव्हाण, श्री नटवरसिंह, मान. प्रमोद महाजन, डॉ.मुरली मनोहर जोशी, श्री यशवंत सिन्हा, श्री वीरेन्द्र कुमार सकलेचा, श्री सुंदरलाल पटवा, श्री दिनेश त्रिवेदी, श्री मनीष सिसौदिया, श्री ज्यातिरादित्य सिंधिया,

**प्रमुख सांसद / जनप्रतिनिधि**

श्री यू.एन. ढेबर, श्री मधु लिमये, प्रो. हीरेन मुकर्जी, श्री होमी दाजी, श्री इन्द्रजीत गुप्त, श्री मोहित सेन, श्री सुरजीतसिंह, श्री सुब्रह्मण्यम स्वामी, श्री जगन्नाथराव जोशी, श्रीमती सुभाषिनी अली, डॉ. सीताशरण शर्मा , श्री निशिकांत दुबे, डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, ब्रिगेडियर सुधीर सावंत, डॉ. सत्यपालसिंह, श्री सीताराम येचूरी, श्री एस.एस. जोशी, श्रीमती विजयाराजे सिंधिया, श्री रवि किशन, श्री एन.जी. गोरे, श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा, श्री विवेक तन्खा, श्री संजय सिंह, श्री राशिद अल्वी

**समाज सुधारक / सामाजिक कार्यकर्ता**

श्री बाबा आमटे, श्री यदुनाथ थत्ते, श्री सुदर्शनजी, श्री मधु मेहता, श्री सुन्दरलाल बहुगुणा, श्री गोविन्दाचार्य, डॉ. किरण बेदी, श्री विजयम्, श्री प्रशांत भूषण, श्रीमती अरूणा राय, श्री निखिल डे, श्री सुधिन्द्र कुलकर्णी, श्री शंकरसिंह, श्री अनिल बोकिल, श्री पोपटराव पवार, श्री हर्ष मंदर, श्री अनिल प्रकाश जोशी, श्री उमाशंकर पांडे, श्री एस.एन. सुब्बाराव, डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे

**अर्थशास्त्री**

श्री सी.बी. भावे, श्री एन.दांडेकर, डॉ. एन. रथ, प्रो. मीनहास, श्री मिहिर शाह, श्री अशोक देसाई, श्री भारत झुनझुनवाला

**साहित्यकार / शिक्षाविद् / समाज शास्त्री**

डॉ. शिवमंगलसिंह सुमन, श्री शरद जोशी, श्री पु.भा. भावे, श्री प्रभाकर माचवे, श्री यशवंत मेहता, श्री गंगाधर गाडगिल, श्री हरिशंकर परसाई, श्री कमलेश्वर, श्री बालकवि बैरागी, श्री विश्वास मेन्दोले, डॉ. सरदार महीपसिंह, श्री विजय बहादुर सिंह, प्रो. अख्तरुल वासे, प्रो. डॉ. डी.पी. सिंह, प्रो. डॉ. राजीव भार्गव, श्री के.ई .एन. राघवन, प्रो. ऋषिकेश टी. कृष्णन, श्री अमिताभ कुंडु, श्री विभूति नारायण, श्री गोहर रजा, श्री अपूर्वानंद, सुश्री फराह नकवी

**पत्रकार एवं मीडिया प्रभारी**

श्री कुलदीप नैय्यर, श्री तरुण विजय, श्री एम.जे. अकबर, श्री बी.जी. वर्गीस, श्री स्वामीनाथन, श्री विपुल मुद्गल, श्री राजेश बादल, श्री योगेन्द्र यादव, श्री मधुसूदन आनंद, श्री सईद नकवी, श्री आशुतोष, श्री अनुराग बत्रा, श्री उर्मिलेश, श्री राजकिशोर, श्री अभय कुमार दुबे, डॉ. आमना मिर्जा, श्री राजेन्द्र नाथ, श्री प्रभाष जोशी, श्री अशोक वानखेड़े, श्री पी. साईंनाथ, श्री सुशील पंडित, श्री जयप्रकाश चौकसे, श्री जयशंकर गुप्ता, श्री आलोक मेहता, श्री रविश कुमार, श्री ब्रजेश राजपूत

**खिलाड़ी व खेल समीक्षक**

कर्नल सी.के. नायडू, श्री खंडु रांगणेकर, श्री जसदेवसिंह, श्री माधव मंत्री, श्री विजय लोकपल्ली, नेहा कापड़िया, श्री जी. राजारमण

**उद्योगपति**

श्री कमलनयन बजाज, श्री अभय फिरोदिया

**विषय विशेषज्ञ / कूटनीतिज्ञ / प्रशासनिक अधिकारी**

श्री जी. पार्थसारथी, डॉ. आबिद हुसैन, डॉ. एन.पी. जैन, श्री सुभाष कश्यप, श्री जोगेन्दरसिंह, एडमिरल विष्णु भागवत, डॉ. एस.वाय. कुरेशी, श्री के.सी. वर्मा, श्री उदय भास्कर, श्रीमती अनुराधा शंकर, श्री कर्नल सारंग थत्ते, श्री संजय कुमार, श्री ओमप्रकाश रावत, श्रीमती मधु भादुरी(पूर्व राजदूत), श्री विवेक काटजू (पूर्व राजदूत), डॉ. एम.के. रणजीतसिंह झाला, श्री टोनी जोसफ, ले.ज. अरबिंदर सिंह लांबा, ले.ज. सैय्यद अता हसनैन

# ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला का एक दशक

स्थापना : 1959
अभ्यासमंडल

## 51 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला
1959 - 2010
**8 से 15 मई 2010**

श्री प्रभात झा,
नई दिल्ली

श्री कमाल फारुख,
नई दिल्ली

श्री एम.जी. दातार,
महू

श्री स्वामी धर्मबंधु

श्री अरविन्द केजरीवाल,
नई दिल्ली

श्री प्रकाश सिंह,
नई दिल्ली

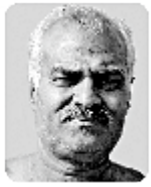
श्री महेश शर्मा,
झाबुआ

सुश्री अगाथा संगमा,
नई दिल्ली

## 52 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला
1959 - 2011
**7 से 14 मई 2011**

श्री व्ही.एस. सिरपुरकर,
न्यायमूर्ति, नई दिल्ली

श्री उदय भास्कर ,
पूर्व नौसेना , नई दिल्ली

श्री जोगिन्दर सिंह ,
नई दिल्ली

श्री विजय बहादुर सिंह,
भोपाल

प्रो. अख्तरूल वासे,
नई दिल्ली

श्री सुभाष कश्यप,
नई दिल्ली

श्री विपुल मुद्गल,
नई दिल्ली

श्री प्रशान्त भूषण,
नई दिल्ली

## 53 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला
1959 - 2012
**11 से 18 मई 2012**

श्री.डी.एम. धर्माधिकारी
जबलपुर

श्रीमती अनुराधा शंकर
आय पी एस

श्री योगेन्द्र यादव
नई दिल्ली

डॉ. कविता शर्मा,
नई दिल्ली

श्रीमती सुभाषिनी अली,
कानपुर

श्रीमती अरूणा रॉय
(पूर्व आय.ए.एस.), जयपुर

पद्मश्री सैय्यदा हमीद,
नई दिल्ली

श्री मधुसूदन आनंद,
नई दिल्ली

## 54 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला
1959 - 2013
**3 से 10 मई 2013**

न्यायमूर्ति पी. पी. नावलेकर
भोपाल

प्रो. सतीश देशपांडे
नई दिल्ली

श्री निखिल डे, देवडुंगरी
राजस्थान

प्रो. कृष्ण बिहारी पांडे
सतना

श्रीमती निवेदिता भिड़े (दीदी),
कन्याकुमारी

प्रो. सी. के. राज,
मलेशिया

श्री गंगाराम तालेकर
सचिव

श्री अनंता तालेकर
समन्वयक

## 55 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला
1959 - 2014
**24 से 31 मई 2014**

स्थापना : 1959
अभ्यासमंडल

डॉ. एस. वाय. कुरैशी,
नई दिल्ली,
पूर्व चुनाव आयुक्त, भारत शासन

श्री के. सी. वर्मा,
नई दिल्ली

डॉ. अशोक देसाई,
कोलकाता

प्रो. डॉ. राजीव भार्गव,
नई दिल्ली

प्रो. डी. पी. सिंह,
इन्दौर

श्री बटेश महाराज,
पटना

डॉ. एन. रघुरमन,
मुंबई

डॉ. सीताशरण शर्मा,
इटारसी

## 56वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला

1959 - 2015

**9 से 16 मई 2015**

श्री जयराम रमेश, नई दिल्ली

श्री के. ई. एन. राघवन, जमशेदपुर

श्री संजयसिंह नई दिल्ली

रिटा. कर्नल सारंग थत्ते, नई दिल्ली

प्रो. ऋषिकेश टी कृष्णन, इन्दौर

डॉ. आमना मिर्जा, नई दिल्ली

श्री निशिकांत दुबे, गोड्डा, झारखंड

## 57वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला

1959 - 2016

**14 से 21 मई 2016**

डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे नई दिल्ली

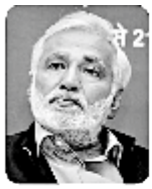
श्री उर्मिलेश नई दिल्ली

श्री राजकिशोर नई दिल्ली

डॉ.अमिताभ कुन्डु नई दिल्ली

श्री सुधीर सावंत, ब्रिगेडियर (से.नि.) बम्बई

डॉ. सत्यपाल सिंह, बागपत

श्री शंकर सिंह, देवडुंगरी

श्री संजय कुमार, नई दिल्ली

## 58वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला

1959 - 2017

**6 से 13 मई 2017**

श्री दिनेश त्रिवेदी, नई दिल्ली

श्री पी. साईनाथ, नई दिल्ली

श्री अनिल बोकिल, पूणे

श्री पोपटराव पवार, महाराष्ट्र

श्री जी. राजारमण, नई दिल्ली

श्री अरबिन्दर सिंह लाम्बा, नई दिल्ली

श्री रविश कुमार, नई दिल्ली

## 59वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला

1959 - 2018

**12 से 19 मई 2018**

श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, नई दिल्ली

श्री जयशंकर गुप्ता, नई दिल्ली

श्री अपूर्वानंद, नई दिल्ली

डॉ. एम.के. रणजीतसिंह झाला, नई दिल्ली

डॉ. हीरालाल अलावा , धार

## 60वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला

1959-2019

**25 से 1 जून 2019**

श्री विभूति नारायण राय, नई दिल्ली

श्री हर्ष मंदर, नई दिल्ली

श्री गौहर रजा, नई दिल्ली

श्री टोनी जोसेफ, नई दिल्ली

ले. ज.सैय्यद अता हसनैन , नई दिल्ली

श्री अनिल प्रकाश जोशी , कोटद्वार (उत्तराखंड)

श्री यशंवत सिन्हा, नई दिल्ली

## 61वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला

1959 - 2022

**7 से 13 मई 2022**

श्री ब्रजेश राजपूत , नई दिल्ली

श्रीमती मधु भादुरी, धारवाड़, कर्नाटक

श्री कमल शर्मा, मुंबई

श्री अपार गुप्ता , दिल्ली

श्री उमाशंकर पांडे, चित्रकूट

श्री विवेक काटजू , नई दिल्ली

# अभ्यास मंडल में पधारे हुए वक्ताओं के अभिमत

I profusely thank ABHYAS MANDAL for inviting me to give a talk on 'भारत-पाकिस्तान के बीच शांति और सहयोग: अनिवार्य भी, संभव भी'.

I am immensely impressed by the vision and activities of ABHYAS MANDAL.

May you succeed in making Indore a more enlightened and a more developed city.

Best wishes,
Sudheendra Kulkarni
6.02.2016



सुधीन्द्र कुलकर्णी

अभ्यास मंडल जैसी संस्था से जुड़ना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। ऐसी संस्थाओं की देश के विभिन्न भागों में आवश्यकता है ताकि एक बौद्धिक संस्कृति का विकास होता रहे। पिछले दिनों बाजारवादी आर्थिक नीतियों के उत्थान के कारण हमारी बौद्धिक गतिविधियों में अभाव आई है। अभ्यास मंडल जैसी स्वयंसेवी संस्थाओं से ही इस कमी को दूर किया जा सकता है।

धन्यवाद
– [signature]
20-10-16





श्री

८-५-०१५

A most enjoyable and instructive evening. Delighted to be here.

Jairam Ramesh, MP
9/5/15

॥श्री॥

12 मई रविवार

[illegible]

योगेन्द्र यादव



इन्दौर के अभ्यास मंडल के उद्बोधन के कार्यक्रम में शरीक होने का जो सौभाग्य मुझे मिला है वह अविस्मरणीय रहेगा। अभ्यास मंडल के सभी कार्यकर्ताओं के लिये मेरी अपार शुभकामनायें।

[signature]
(O. P. Rawat)
Election Commissioner of India



अभ्यास मण्डल जो 60 सालों से विचार विमर्श का खुला मंच चला रहे हैं, उसका मैं बहुत सम्मान करता हूँ, बधाई देता हूँ। मुझे निमन्त्रण आपने दिया, उसके लिए मैं बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

हर्ष मन्दर
26 मई 2019



आप की दावत के लिये शुक्रिया। यहाँ आकर बहुत अच्छा लग रहा है। अभ्यास मंडल बहुत बड़ा काम कर रहा है।

तिलक [signature]

अभ्यास मंडल एक ऐतिहासिक कार्य कर रहा है। वैचारिक प्रबोधन के साथ ही सामाजिक जागृति व प्रशासन प्रबोधन का कार्य भी मंडल कर रहा है। प्रबुद्ध श्रोताओं के सम्मुख शिक्षा के बौद्धिक सिद्धांत पर बोले शिक्षा सूत्र को प्रस्तुत कर गौरवान्वित हूँ।

मुकुल [signature]



मैं अभ्यास मंडल को दिल से आभारी हूँ कि मुझे इसमें मिलने का मौका मिला। [illegible] का यह [illegible] है। वक्ता, चिन्तन और [illegible] को आपस जुड़ने का यह [illegible] संस्था में व्यापक है। अभ्यास मंडल को अपनी शुभकामनाएं और प्रशंसा देती हूँ।

[signature]
8.5.2022

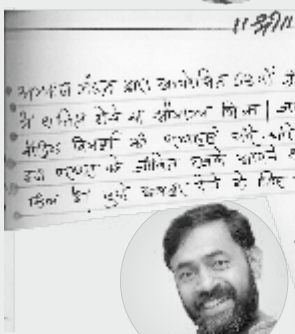

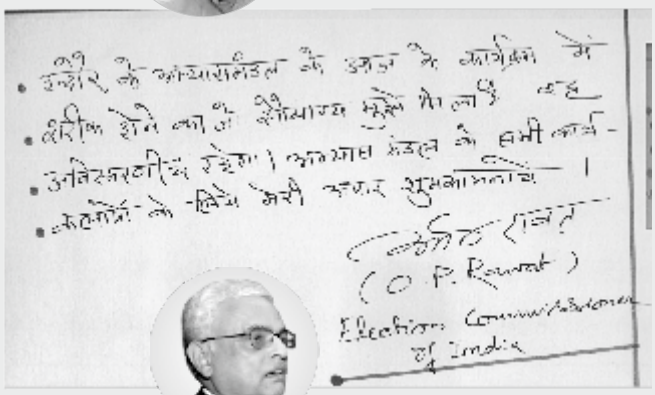

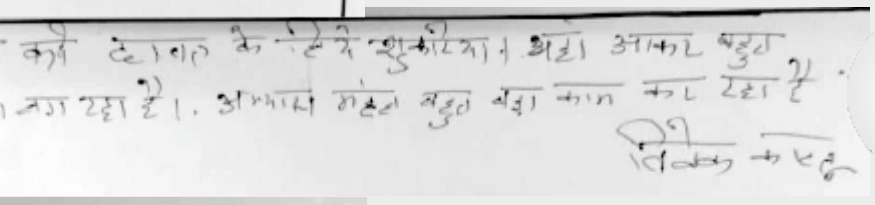

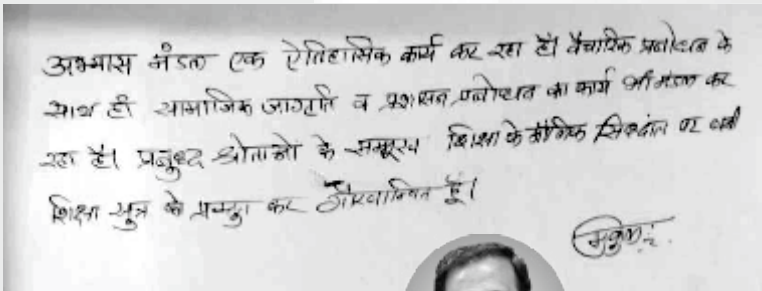

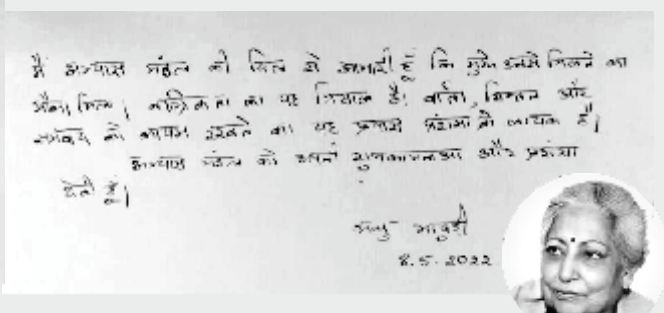

# स्मृति शेष श्री वसंत शिंत्रे

**जन्म दिनांक : 28.01.1937** **अवसान दिनांक : 02.02.2023**

**अभ्यास मंडल के संस्थापक सदस्य, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता, इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसिएशन व ट्रेड यूनियन संगठनों के अग्रणी नेता व वामपंथी विचारक श्री वसंत शिंत्रे का निधन एक गहरी क्षति है। अभ्यास मंडल परिवार अपने अग्रज, प्रणेता व मार्ग दर्शक श्री वसंत शिंत्रे के योगदान का स्मरण करते हुए अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता है।**

अभ्यास मंडल
इन्दौर

# कान्ह नदी पुनर्जीवन के लिए किए गये प्रयास

खान सरस्वती नदी अभियान

# अभ्यास मंडल
## इन्दौर

# कान्ह नदी पुनर्जीवन



कान्ह नदी के घाट को दीपों से किया रोशन



## खान की सूरत बदलने जुटे युवा

शहर ने खोद निकाला खान का घाट

## खान का भी होगा शुद्धिकरण
मुख्यमंत्री ने दिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश

## महिलाएं निकालेंगी रैली

## इंदौर की खान नदी संवरेगी साबरमती की तर्ज पर
मध्यप्रदेश सरकार ने केंद्र से मांगे 250 करोड़

## 'मां का कर्ज... मैं उतारूंगा'



## कान्ह नदी का पुनर्जीवन हो, सिर्फ सौंदर्यीकरण नहीं

लौटेगा घाट का सौंदर्य

## वापस लौटे खान नदी का पुराना वैभव: कलेक्टर
अभ्यास मंडल ने की घोषणा: घाट को गोद लेकर फिर से करेंगे सफाई

## खान शुद्धिकरण : आज दिल्ली में तय होगी प्राथमिकताएं
सुमित्रा महाजन, उमा भारती साथ बैठेंगी

## नदी के लिए धरना शुरू

## खान नदी के संरक्षण का संकल्प

अब रुकेगा नहीं ये कारवां

## नदी मां के लिए बनने लगा कारवां

हमारी मां है खान नदी

## अभ्यास मंडल द्वारा कृष्णपुरा छत्री को लेकर कान्ह सरस्वती पुनर्जीवन पर धरना आंदोलन

## City's think-tank stages protest for rejuvenation of Kanh, Saraswati rivers

OUR STAFF REPORTER

The think-tank of Indore, Abhyas Mandal on Sunday staged a sit-in for three hours at Krishnapura Chhatri seeking "serious efforts with a well-planned strategy for rejuvenation of Kanh and Saraswati rivers, which passes through the middle of the city.

People from different walks of life participated in the protest which was held from 10 am to 1 pm.

Abhyas Mandal president Rameshwar Gupta said that Abhyas Mandal gave memorandums to the district collector, the municipal commissioner, the mayor, the MP and other people's representatives on several occasions in the last 10 years, but no serious and well-planned steps were taken for rejuvenation of the twin rivers. As the powers that be posed a blind eye to this serious issue, we had no other option but to stage a sit-in to gain their attention," he added.

Mandal secretary Shivaji Mohite said that thousands of crores of rupees were spent by the Indore Municipal Corporation (IMC) in the name of cleaning the rivers but to no avail. The rivers can be revived only when the water flows round the clock in them, he added.

Suresh Upadhyay said that the beautification done on 4 kilometres stretch alongside the river belt is an obstacle in the flow of the rivers.

Mandal coordinator Noor Mohammad Qureshi said that drainage overflows still contaminate the rivers. "Nallah taping project did not bear fruits," he added.

Eminent persons of the city, including Dr Pallavi Aadhar, SK Upadhyay, Mukund Kulkarni, Gautam Kothari, Mukesh Chauhan, Deepti Gaur, Praveen Joshi, Pritamlal Dua, PC Sharma, Ashok Kothari, Manohar Dalal, Murli Khandelwal, Abhinav Dhanotkar, Kishan Somani, Alok Khare, Malasingh Thakur, Sunil Makode, Ashok Barjatya and others also participated in the protest.

## कान्ह-सरस्वती नदी पुनर्जीवन के लिए धरना

अभ्यास मंडल ने दिया नदी के लिए धरना

जिला योजना समिति में हुआ फैसला, सांसद-विधायक ने बुलंद की शहर की आवाज

## खान नदी को जिंदा करने की समग्र योजना पेश

## दोहराया खान नदी शुद्धीकरण का संकल्प

Khan Nadi Issue in PATRIKA
04 Jan and 05 Jan 2013

## खान नदी सुधार की किनारों से शुरुआत

## खान को जिंदा करो, फिर बनाना सड़क

पत्रिका महाभियान : उम्मीदों की खान
नारी शक्ति जिंदाबाद

Like Comment

## अब बेटियां बोलीं मुस्कराएगी हमारी नदी

## अफसर कागजों में ही साफ करते रहे नदी

तीन दशक से चल रही सफाई

शहर की बेटी ने बताया था सफाई का एक्शन प्लान, वह भी दरकिनार

## हमारी पिछली पीढ़ी जिस नदी में नहाती थी उसकी दुर्गंध भी हमें परेशान नहीं करती

अभ्यास मंडल की मासिक व्याख्यानमाला में बोले वक्ता

## खान नदी के घाट पर पक्षियों को दाना-पानी

# इंदौर पेयजल के लिए नर्मदा आंदोलन की स्मृति और आज के संकल्प

इन्दौर शहर को नर्मदा का पानी पीते हुए आज बावन वर्ष से अधिक समय हो गया है। नर्मदा जल को इंदौर तक लाने में एक पूरी पीढ़ी ने संघर्ष किया था। 5 जुलाई 1970 को शुरु हुआ यह आन्दोलन 23 अगस्त 1970 तक चला। पूरे 50 दिन चले इस अहिंसक आंदोलन में शहर के विशेषज्ञ, इंजीनियर्स,न्यायविद, सामाजिक कार्यकर्ता, सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों समेत हर उम्र, वर्ग के नागरिकों ने भागीदारी की थी । इस आदर्श सविनय जन-आंदोलन के परिणामस्वरुप 23 अगस्त 1970 को तत्कालीन मुख्य मंत्री स्वर्गीय श्री श्यामाचरण शुक्ल ने घोषणा की थी कि इन्दौर के लिये नर्मदा से पानी लाने की योजना राज्य सरकार को मंजूर है।

हुई होगी, उससे ज्यादा बाधाएं नर्मदाजी को इन्दौर लाने में देखी और दिखाई जा रही थी।

लेकिन, शहर के कुछ युवाओं पर बात ''जुनून'' की तरह छा गई कि ''यह हो सकता है'', ''यह भी मुमकिन है''। उस समय कुछ युवा सामाजिक कार्यकर्ता सर्वश्री मुकुंद कुलकर्णी , महेन्द्र महाजन और चंदप्रभाष शेखर आदि ने 14 लोगों की एक समिति बनाकर अराजनीतिक संस्था ''अभ्यास मंडल'' के तत्वावधान में शहर के सभी सक्रिय युवा व छात्र नेताओं और इस विषय के जानकारों को भी अपने से सहमत किया। इस मामले में सहमति बनती जा रही थी तथा पूरे अंचल में बहुत ढूँढने पर भी एक-दो लोग इस बात से असहमत

1970 में इन्दौर की जनसंख्या लगभग 6 लाख थी। उपलब्ध जल स्त्रोत सिर्फ 4 लाख लोगों की जरुरत ही बड़ी मुश्किल से पूरी कर सकते थे। इसके अतिरिक्त उद्योगों, व्यापार, चिकित्सा व शिक्षा सुविधाओं के लिए प्रतिदिन लगभग एक लाख लोग बाहर से आकर अस्थायी रूप से शहर में बने ही रहते थे। ऐसी स्थिति में पानी की त्राहि-त्राहि मचना स्वाभाविक ही था। शहर बूँद-बूँद को तरस गया था। इस परिस्थिति में कुछ समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों, पुराने प्रशासकों और इंजीनियरों ने सोचा कि क्यों न इन्दौर के लिये नर्मदा का पानी लाया जाय। इन्दौर से दूर बैठे कुछ लोगों को तो यह विचार अविश्वसनीय, अव्यावहारिक और खर्चीला लगता था।

इन्दौर से नर्मदा की दूरी 70 किलोमीटर के आसपास है। ऊपर से नर्मदा और इन्दौर के बीच विन्ध्याचल की पर्वत माला भी है। इनके बीच एक घना वन क्षेत्र। यानी, जितनी बाधाएं गंगाजी को जमीन पर लाने में नहीं

मिलते थे। सभी राजनीतिक दल अपने सारे मतभेद भूलकर इस युवा समूह के पीछे खड़े हो गये थे और देखते ही देखते यह एक जन-आंदोलन बन गया था।

इस आंदोलन के संक्षिप्त इतिहास की तिथीवार जानकारी निम्नानुसार है -

14 जून 1970 को राजवाड़ा के गणेश हॉल में विद्यार्थियों और युवा नेताओं की बैठक में नर्मदा के लिए आंदोलन करने का औपचारिक निर्णय लिया गया । 30 जून को विश्वविद्यालय के छात्र संघ पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमें नर्मदा आंदोलन को पूरा सहयोग देने का निश्चय किया गया। आंदोलन 5 जुलाई से शुरु होने वाला था। 2 जुलाई को महू में भी आंदोलन समिति गठित कर ली गई। इस तरह से महू के युवाओं ने भी अपना नैतिक समर्थन दिया।

**5 जुलाई नर्मदा आंदोलन का पहला दिन :** यह दिन नर्मदा दिवस के रूप में इंदौर के इतिहास में दर्ज हो गया। 1970 में इस दिन नगर की दीवारों पर नर्मदा आंदोलन से जुड़े पोस्टर लगे थे। सुबह हर चौराहों पर युवाओं की टोलियां खड़ी थीं। दिनभर में करीब 50 हजार लोगों को बैच लगाए और 14 हजार लोगों के हस्ताक्षर लिए गए। पहला हस्ताक्षर पद्मभूषण तात्या साहब सरवटे ने किया।

**6 जुलाई :** जनमत संग्रह जारी रहा। विश्वविद्यालय छात्र संघ ने तत्कालीन मुख्यमंत्री को तार भेजा। नर्मदा की मांग के संबंध में प्रस्ताव पारित किए जाने लगे।

**7 जुलाई :** कपड़ा मिलों की नगरी रही इंदौर में म.प्र. टैक्स टाइल्स एसोसिएशन के साथ ही सरकारी कर्मचारियों व निगम कर्मचारियों ने भी आंदोलन को समर्थन दिया।

**8 जुलाई :** पूर्व संसद सदस्य श्री होमी दाजी ने भी नर्मदा की मांग को वाजिब माना। तत्कालीन विधायक श्री बाबूलाल पाटोदी ने भी समर्थन दिया। दलगत राजनीति से परे जाकर जनप्रतिनिधियों ने इस मांग का समर्थन किया।

**9 से 15 जुलाई :** आंदोलन ने जोर पकड़ा। विरोध में उठने वाले स्वर धीमे पड़ने लगे। जनप्रतिनिधियों से जनता की एक ही मांग थी - ''नर्मदा इंदौर में चाहिए।''

**16 जुलाई :** होमी दाजी के नेतृत्व में नर्मदा के लिए संघर्ष समिति बनी।

**18 जुलाई :** महिलाओं की विशाल सभा हुई।

**24 जुलाई :** तत्कालीन थलसेना अध्यक्ष जनरल मानेक शॉ ने भी नर्मदा को इंदौर लाने के प्रयत्न करने का आश्वासन दिया। इसी दिन होलकर राजवंश की उषादेवी होलकर ने भी समर्थन देते हुए कहा कि आंदोलन वाजिब है।

अपने समय के यशस्वी इंजीनियर स्वर्गीय श्री व्ही.जी. आपटे ने पूरे एक महीने से ज्यादा समय तक नर्मदा किनारे रहकर उस स्थान की पहचान की थी, जहां से पानी पर्याप्त मिले तथा खर्च भी कम लगे। जिस जगह 'जलूद' को चुना गया था, वहां पिछले सौ वर्षों से, एक समान जलस्तर रहा था व आगे भी रहने के पूरे वैज्ञानिक तथ्य मौजूद थे।

उन्हीं दिनों में भारतीय प्रशासनिक सेवा से निवृत्त होकर अपने मूल निवास इन्दौर लौटे स्वर्गीय श्री पी.एस. बाफना ने उस तकनीकी और वैज्ञानिक आधार पर एक ''फीजिबिलीटी'' व प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनायी थी। बाद में इन्हीं बाफना साहब की अध्यक्षता में राज्य सरकार ने एक कमेटी बनाई थी, जो भविष्य की ''सस्टेनेबिलिटी'' पर विचार कर रिपोर्ट दे।

नर्मदा के पानी की मांग पर हुए इस आंदोलन की समिति में सब नौजवान थे। लेकिन, इनके पीछे शहर की सारी राजनीतिक और सामाजिक शक्ति लगी हुई थी।

कामरेड होमी दाजी, जिनकी एक आवाज पर तब सारे कल-कारखाने और कपड़ा मिलें बन्द या चालू हो सकते थे, श्री राजेन्द्र धारकर और श्री सत्यभान सिंघल, जो शहर के मध्य वर्ग में निर्विवाद और गहरा प्रभाव रखते थे, या श्री कल्याण जैन, जो छोटे बड़े दुकानदारों के एक छत्र नेता या प्रतिनिधि थे, अपने सारे वैचारिक व राजनीतिक मतभेद भूलकर इस आन्दोलन के समर्थन में खड़े थे।

इस आन्दोलन के दौरान रखा गया ''शहर-बन्द'' जैसा अब शायद ही कभी फिर देखने मिले।

सामुहिक युवा शक्ति ने सिद्ध कर दिया था कि अनुशासित रहकर शांतिपूर्ण आंदोलन से भी अपनी मांग को मनवाया जा सकता है। नर्मदा का पानी लाकर सबकी प्यास बुझाने के लिये लगने वाली बिजली का झगड़ा आज भी सुलझा नहीं है। ''बिल्ली के गले की घंटी'' की तरह यह मामला अदालत में ही पड़ा है।

अदालत में शहर का पक्ष रखने के लिये बनी याचिका को स्वेच्छा से न्यायमूर्ति श्री व्ही.एस. कोकजे ने बनाया था। सेवा निवृत्त न्यायमूर्ति श्री पी.डी. मुल्ये और न्यायमूर्ति श्री गोवर्धनलाल जी ओझा ने इसे देखकर अपनी सहमति दी थी। इन्दौर का पक्ष रखने के लिये वरिष्ठतम अधिवक्ता श्री जी.एम.चाफेकर साहब खड़े थे।

यही नहीं मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के पूर्व अध्यक्ष श्री पी एल नेने ने उस याचिका को बनाने में तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई थी। स्मरण रहे, इन सभी ने अपने द्वारा किये गए काम का कोई शुल्क नहीं लिया था।

आज इंदौर की जनसंख्या लगभग 35 लाख है तथा मेडिकल हब, एजुकेशन हब, औद्योगिक / व्यावसायिक / वाणिज्यिक गतिविधियों आदि के कारण लगभग 5 लाख की फ्लोटिंग पापुलेशन है। कल्पना करना ही मुश्किल है कि यदि नर्मदा योजना नहीं होती तो आज इंदौर का स्वरुप क्या होता? । नर्मदा के पहले, दूसरे व तीसरे फेस के बाद भी नर्मदा जल की पहुंच 50 प्रतिशत आबादी तक ही है और भूजल के दोहन से उसका स्तर काफी नीचे चला गया है। इन तमाम परिस्थितियों में उस ऐतिहासिक आंदोलन को याद करते हुए भूजल सरंक्षण व संवर्धन तथा जल संरचनाओं (नदी, तालाब, कुओं, बावड़ी) को अक्षुण्ण रखने/पुनर्जीवित करने के लिए एक नए संकल्प व अभियान की जरूरत पर गंभीर विचार किया जाना समय की आवश्यकता है।

# अन्य गतिविधियों की कुछ चित्रमय झलकियाँ

स्वच्छता अभियान 2 अक्टूबर 2014

महिला दिवस पर सफाईकर्मी का सम्मान

चुनाव घोषणा पत्र पर परिचर्चा

चुनाव घोषणा पत्र पर परिचर्चा

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर श्री मनोज श्रीवास्तव (आइ.ए.एस.)

पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण

संविधान दिवस पर युवाओं के मध्य परिचर्चा

शहर की संस्कृति को लेकर नाइट कल्चर पर प्रतिरोध चर्चा

64 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अंर्तमहाविद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ दे.अ.वि.वि. की कुलपति प्रो. रेणू जैन, पूर्व प्राचार्य डॉ. शंकरलाल गर्ग, पत्रकारिता व जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नारगुंडे व निर्णायकगण

अंर्तविद्यायलीन भाषण अभिव्यक्ति प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर नेता प्रतिपक्ष नगर निगम श्री चिंटू चौकसे व अन्य

अंर्तविद्यायलीन भाषण अभिव्यक्ति प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरित करते हुए इ.वि.प्रा. के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावडा व श्री जवाहर मंगवानी

गांधी (बापू) 150 वी जयंती पर कस्तूरबा ग्राम में कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. करुणाकर त्रिवेदी

गांधी जयंती पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. राजीव शर्मा

**FADNIS & GUPTE LLP**
**CHARTERED ACCOUNTANTS**
B-14, Ratlam Kothi, Kanchan Bagh Main Road, Indore- 452001
(M.P.) INDIA
Phone: 0731-2514448, 2527716, 2528730
E-mail: mail@fngca.com, Website: www.fngca.in

## INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,
The Members of
AbhyasMandal
New Rajwada, Indore

### Qualified Opinion

We have audited the financial statements of **Abhyas Mandal,** Indore which comprise the Balance Sheet at 31st March 2022, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account, for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies.

In our opinion, the accompanying financial statements give a true and fair view of the financial position of the entity as at March 31, 2022, and of its financial performancefor the year then ended in accordance with the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI)on the cash receipts and disbursements basis as described in significant accounting policies of the entity.

Abhyas Mandal
BALANCE SHEET
AS ON 31.03.2022

| Amount (In Rs.) AS ON 31.03.2021 | LIABILITIES | | Amount (In Rs.) AS ON 31.03.2022 | Amount (In Rs.) AS ON 31.03.2021 | ASSETS | | Amount (In Rs.) AS ON 31.03.2022 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | **General Fund** | | | | **Fixed Assets** | | |
| | Opening Balance | 413,592 | | | Dead Stock, Furniture & | | |
| | Add/(Less): Surplus/ | (130,582) | | | Opening Balance | 11,727 | |
| 413,592 | Deficit for the year | | 283,010 | | Less: Depreciation @10% | 1,176 | |
| | | | | 11,727 | | | 10,551 |
| | | | | | Computer System | | |
| | | | | | Opening Balance | 1,332 | |
| | | | | | Less: Depreciation @40% | 533 | |
| | | | | 1,332 | | | 799 |
| | | | | 114,994 | **Investments & Deposits** (Note 1) | | 114,997 |
| | | | | 285,539 | Cash & Bank Balance (Note 2) | | 156,663 |
| 413,592 | TOTAL | | 283,010 | 413,592 | TOTAL | | 283,010 |

**Significant Accounting Policies & Notes Forming Part of Account**
As per our Audit Report of even date attached.

**For Fadnis & Gupte LLP**
Chartered Accountants
FRN 006600C/C400324

**(CA. Vikram Gupte)**
Partner

M. No. 074914

Place: Indore
Date: 23 JUL 2022

FRN 006600C C400324

For Abhyas Mandal

| | | |
|---|---|---|
| PRESIDENT | SECRETARY | TREASURER |
| अध्यक्ष | सचिव | कोषाध्यक्ष |
| अभ्यास मंडल | अभ्यास मंडल | अभ्यास मंडल |
| शिवविलास पैलेस, राजवाड़ा, इन्दौर | शिवविलास पैलेस, राजवाड़ा, इन्दौर | शिवविलास पैलेस, राजवाड़ा, इन्दौर |

With Best Compliments from

# ASHOK BADJATIYA

**BE, MS (USA), DBM**

National President of Digamber Jain Mahasamiti

Managing Director :

Hindustan Phosphates Pvt Ltd, Indore




5th Floor, Milinda's Manor, 2 R.N.T. Marg, Indore - 452001 (MP) Phone : +91-731-4010700

22 साल बेमिसाल एवं 2 लाख ग्राहकों का अटूट विश्वास

इन्दौर का अग्रणीय एवं विश्वसनीय कासलीवाल ग्रुप




**Kasliwal Honda**

- 580, M.G. Road, Indore Ph.: 0731-4228022 Mob.: 8966002872, 8966002822
- Piplyahana Chouraha, Ring Road, Indore Ph.: 0731-4228954 Mob.: 8966002826

**KASLIWAL HYUNDAI**

H.No. - 17, Lasudia Mori, Dewas Naka, A.B. Road, Indore Contact: 9617772808, 9617772820, 0731-4265201-202 Email: kasliwalhyundai@hotmail.com

**KASLIWAL TRUCKING PVT. LTD.**

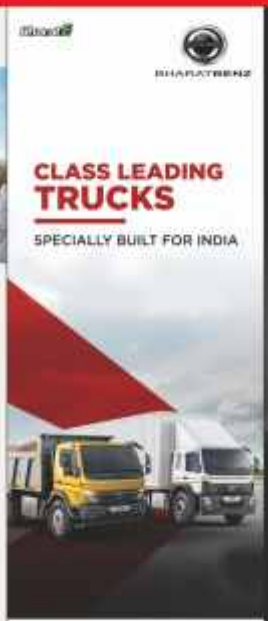

INDORE: Survey No. 309/4 - 310/4, Gram Khajrana, By Pass Road, Mob.: 9630096358

BHOPAL: Nayapura, Mandideep Hoshangabad Road Mob.: 9630096346

**KASLIWAL ATHER**

TBC Tower, Geeta Bhawan Square, AB Road, Indore - 452001 Mob.: 7880155547, 7880111545

**KASLIWAL MOBILITY PVT. LTD.**

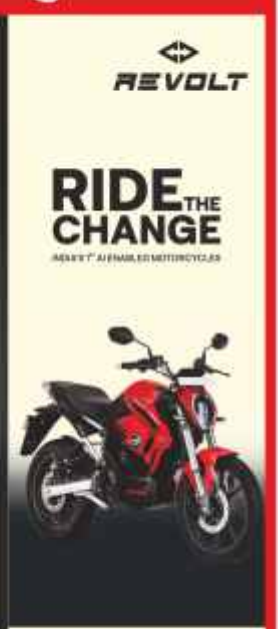

Ground Floor, Shop No. 2-3, Rhythm Corporate, South Tukoganj, AB Road, New Palasia, Indore Mob.: 7880066773, 7880066774, 7880066775

139 वर्षों से समाज सेवा को समर्पित
श्री वैष्णव ग्रुप द्वारा

## शिक्षा का उच्चतम स्तर स्थापित

# श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय

(स्थापना वर्ष-2015)

केम्पस: उज्जैन रोड, इन्दौर-453111

# उत्कृष्ट शिक्षा द्वारा उच्च संस्कारों का समावेश

### संस्थाएँ

- श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव हायर सेकेण्डरी स्कूल (स्थापना वर्ष 1951)
- श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव बाल मंदिर (स्थापना वर्ष 1981)
- बाल वाटिका (स्थापना वर्ष 2022)
- श्री वैष्णव कन्या विद्यालय (स्थापना वर्ष 1992)
- श्री वैष्णव एकेडमी (स्थापना वर्ष 1993)
- श्री वैष्णव पॉलीटेक्निक (स्थापना वर्ष 1962)
- श्री वैष्णव वाणिज्य महाविद्यालय (स्थापना वर्ष 1967)
- श्री वैष्णव प्रबंध संस्थान (स्थापना वर्ष 1987)
- श्री वैष्णव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (स्थापना वर्ष 1995)
- श्री वैष्णव विधि संस्थान (स्थापना वर्ष 2005)
- श्री वैष्णव शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालय (स्थापना वर्ष 2005)
- श्री वैष्णव स्पोर्ट्स एकेडमी (स्थापना वर्ष 2019)
- श्री वैष्णव महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास (स्थापना वर्ष 2001)
- श्री वैष्णव महाविद्यालयीन छात्रावास (स्थापना वर्ष 2002)
- श्री वैष्णव औषधालय (स्थापना वर्ष 1934)
- श्री वैष्णव प्रसुति गृह (स्थापना वर्ष 1982)
- श्री वैष्णव डायग्नोस्टिक एवं किडनी सेंटर (स्थापना वर्ष 2015)
  श्री गणपति मंदिर परिसर, खजराना, इन्दौर
- श्री वैष्णव डायग्नोस्टिक एवं किडनी सेंटर
  राजमोहल्ला (स्थापना वर्ष 2019)
- श्री वैष्णव विश्रांति गृह (स्थापना वर्ष 1971)
- श्री रामकृष्णबाग (होटल एवं मैरिज गार्डन) (स्थापना वर्ष 1925)
- श्री वैष्णव विवेकानन्द सर्कल (स्थापना वर्ष 1997)
- श्री वैष्णव अन्नक्षेत्र (स्थापना वर्ष 1927)
- श्री वैष्णव सदाव्रत (स्थापना वर्ष 1884)
- श्री वैष्णव मोक्षधाम (स्थापना वर्ष 1983)
- श्री वैष्णव शव वाहिनी नि: शुल्क सुविधा (स्थापना वर्ष 2005)

### ट्रस्ट

- श्री वैष्णव सहायक कपड़ा मार्केट कमेटी (स्थापना वर्ष 1884)
- श्री वैष्णव सहायक ट्रस्ट (स्थापना वर्ष 1939)
- श्री वैष्णव चैरिटी ट्रस्ट (स्थापना वर्ष 1970)
- श्री वैष्णव शैक्षणिक एवं पारमार्थिक न्यास (स्थापना वर्ष 1981)
- श्री वैष्णव विद्यापीठ इन्दौर (स्थापना वर्ष 2002)

ट्रस्ट कार्यालय:

**श्री वैष्णव विद्या परिसर**

177, जवाहर मार्ग, साउथ राजमोहल्ला, इन्दौर
फोन: 2341187

**म.प्र. में शिक्षा क्षेत्र को मिल रहा है नया आयाम**

# bonton One of the Leading Educational Furniture Solution Providers in India !

## Classroom Furniture

## Lab Furniture

## Library Furniture

## Office Furniture

**bonton** Institutional Furniture, which are specifically designed for classrooms, Libraries and Laboratories etc. are most unique, and one of its kind in the country. They are modular in nature; hence, can be installed as per varied customised requirements. These furniture are synchronised in design and high in aesthetics. Its vibrant and distinguished colours impart a bright impact on the environment of the establishments.

**bonton** manufactures Wooden & Steel Modular Institutional / Office furniture comprising :

- Office Tables
- Chairs
- Partitions
- Storage Systems

Bonton Website

Bonton Products Available At GeM Government e Marketplace

**bonton** FURNITURE SOLUTIONS
*for those who believe in quality !*

**Bonton Technomake Pvt. Ltd.** 7-A, Sch. No. 71, Near Chandan Nagar Police Station, Dhar Rd., INDORE - 452 002 (M.P.)
info@bontonfurniture.net bontonfurniture.net youtube.com/c/BontonFurnitureSolutions
facebook.com/bonton-furniture-527426553992517 instagram.com/bontonfurniture

**Associates :** Agra ▸ Andhra Pradesh ▸ Ambala ▸ Ahmedabad ▸ Bhandara ▸ Bhopal ▸ Bilaspur (HP) ▸ Bhubaneswar ▸ Chennai ▸ Coimbatore ▸ Dehradun, Guwahati ▸ Gwalior ▸ Hyderabad ▸ Indore ▸ Imphal ▸ Jabalpur ▸ Jammu ▸ Kolkata ▸ Lucknow ▸ Mumbai ▸ Nashik ▸ New Delhi ▸ NCR ▸ Palanpur ▸ Patna ▸ Pune ▸ Ranchi ▸ Simla ▸ Srinagar ▸ Raipur ▸ Vadodara ▸ Wardha ▸ Yavatmal. **Overseas Associates :** ▸ Dubai ▸ Nepal

**Contact us** 95222 74222, **Toll Free No. 1800 599 2251**

# ब्रह्मलीन श्री रामेश्वर जी पटेल (बाबूजी)

पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन व समाजसेवी की स्मृति में बनाये गए श्री गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट द्वारा चल रहे कार्य व आगामी समय में पूर्ण किये जाने वाले धार्मिक, सामाजिक व लोकहित कार्य निम्न है :-

- भिचौली मर्दाना स्थित मुक्तिधाम में सभा हॉल का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- मुक्तिधाम में शिव मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- मुक्तिधाम में लकड़ी भण्डार गृह का निर्माण पूर्ण हो चुका है।
- मुक्तिधाम का संचालन गीता रामेश्वर ट्रस्ट द्वारा किया जाता है।
- सांई मंदिर परिसर पर बाबुजी की स्मृति में गौशाला का निर्माण पूर्ण हो चुका है।
- सांई मंदिर पर रामेश्वरम धाम बगीचा विकसित किया जा रहा है वृक्षारोपण व हरियाली का कार्य प्रगति पर है। ▶ सांई मंदिर पर शिव मंदिर, केदारनाथ स्वरुप मंदिर का निर्माण किया जा चुका है, मूर्ति प्राण–प्रतिष्ठा जल्द की जावेगी। ▶ सांई मंदिर पर धर्मशाला का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ▶ बाबुजी की स्मृति में शव वाहन आमजन हेतु उपलब्ध है।
- बाबुजी की स्मृति में निःशुल्क जल वितरण हेतु ट्रेक्टर व टैंकर आमजन हेतु उपलब्ध है।
- बाबुजी की स्मृति में आगामी वर्ष से प्रतिवर्ष दसवीं एवं बारहवीं में मेरिट में आने वाले बच्चों को पुरुस्कृत किया जावेगा। ▶ बिचौली मर्दाना बायपास के समीप निःशुल्क (रख–रखाव खर्च मात्र) में निजी, धार्मिक एवं सामाजिक कार्य हेतु मुथरादेवी धर्मशाला उपलब्ध है।
- श्री रामेश्वरजी पटेल की स्मृति में बनाये गये गीता रामेश्वरम् सेवा संस्थान व डायग्नोस्टिक सेंटर बिचौली मर्दाना द्वारा विभिन्न जाँचों पर 50% से 70% तक की छूट दी जाती है।
- गीता रामेश्वर ट्रस्ट द्वारा समय–समय पर सामाजिक, धार्मिक, खेल जगत, शिक्षा व अन्य क्षेत्र के प्रतिभावान व्यक्ति व संगठन का सम्मान किया जाएगा।

VIDYASAGAR SCHOOL, INDORE

Residential-cum-Day Schooling • Co-Educational English Medium CBSE School (Estd. 1991)

AN EPITOME OF EDUCATIONAL EXCELLENCE AT NOMINAL FEES

ADMISSIONS OPEN

— FOR SESSION 2023-24 —

NURSERY TO CLASS IX & XI - SCIENCE, COMMERCE, HUMANITIES (SUBJECT TO BOARD RESULT)

— AGE —

Nursery 2020 Born • KG-I 2019 Born
KG-II 2018 Born • I Std. 2017 Born and so on

HOSTEL ADMISSIONS FROM CLASS IV ONWARDS

Separate Boarding for Boys & Girls

Campus: Bicholi Mardana, Indore (M.P.) Ph. 0731-3544909-18, 99939-79019
City Office: 48-49, Barwani Plaza, Indore Ph. 0731-2492431, 99939-76539
E-mail: vidyasagar_indore@yahoo.co.in, Website: www.vidyasagarschool.org

Admission forms can also be downloaded from www.vidyasagarschool.org

VIDYASAGAR COLLEGE OF PHARMACY

(A unit of Vidyasagar School Samiti, INDORE)

Approved by PCI & AICTE, New Delhi • Affiliated by RGPV Bhopal
• Recognized by DTE, Bhopal

Build Your Career in Best Pharmacy College

B.PHARMACY
D.PHARMACY

Village Hinganiya, Near Kanadiya, Bypass, INDORE (M.P.)

www.vcpindore.org
vcindoremp@gmail.com
Call or 99939-76229, 99936-04099, 99939-74709

VIDYASAGAR COLLEGE

Affiliated to DAVV, Indore • Recognized by NCTE, New Delhi
Approved by Department of Higher Education MP & MP Board of Sec. Education, Bhopal

पाठ्यक्रमों का संचालन करने वाला इन्दौर जिले का एकमात्र महाविद्यालय

बी.एड. (B.Ed.) | बी.पी.एड. (B.P.Ed.) | एम.एड. (M.Ed.) | डी.एल.एड. (D.El.Ed.)

New Campus : Hinganiya, Near Kanadiya, Indore
City Office : 48-49, Barwani Plaza, Old Palasia, Indore
E-mail : vcimp@rediff.com, Website : www.vidyasagarcollege.co.in

सम्पर्क करें- मोबाइल: 99939-74709, 99939-72709